संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 255 गुरूवार 17 जुलाई 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

आकाश प्राइम डिफेंस सिस्टम का सफल परीक्षण

पाकिस्तान अब क्या करेगा? चीन-तुर्किये के ड्रोन की खैर नहीं...

नयी दिल्ली,16 जुलाई 2025(ए)। भारतीय सेना ने लद्दाख में आकाश प्राइम एयर डिफेंस सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण 15,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर किया गया। इस परीक्षण का उद्देश्य यह देखना था कि यह सिस्टम ऊंचाई पर कैसे काम करता है। डीजीसीए के वरिष्ठ अधिकारियों की मदद से भारतीय सेना ने यह परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों ने बहुत तेजी से चलने वाले लक्ष्य विमानों को सीधे निशाना बनाया।

आकाश एयर डिफेंस सिस्टम की तीसरी और चौथी रेजिमेंट

आकाश प्राइम सिस्टम भारतीय सेना में आकाश एयर डिफेंस सिस्टम की तीसरी और चौथी रेजिमेंट होगी। डिफेंस अधिकारियों के अनुसार, इस सिस्टम ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीनी विमानों और तुर्किये के ड्रोन का उपयोग करके पाकिस्तान सेना द्वारा किए गए हवाई हमलों को विफल करने में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

परीक्षण में निशाना सीधे टार्गेट पर लगा

आर्मी एयर डिफेंस ने डीआरडीओ के साथ मिलकर यह परीक्षण किया। डीआरडीओ ने ही इस सिस्टम को बनाया है। ऐसे में मिसाइल का प्रदर्शन देखना महत्वपूर्ण था। मिसाइलों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और सीधे निशाने पर लगीं। एक डिफेंस अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में इस सिस्टम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इस एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हवाई हमलों को रोकने में मदद की।

आकाश प्राइम एयर डिफेंस सिस्टम क्या है?

आकाश प्राइम एक आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम है। यह दुश्मन के विमानों और ड्रोन को मार गिराने में सक्षम है। यह भारतीय सेना की ताकत को बढ़ाएगा। लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यह सिस्टम बहुत उपयोगी साबित होगा। कुल मिलाकर इसमें निम्नलिखित विशेषताएं हैं।

जब आसमान में गरजेगा, पाकिस्तान-चीन कांपेंगे! भारतीय सेना को अपाचे हेलीकॉप्टरों मिलेगी?

भारत अपनी सेना को और भी शक्तिशाली बनाने जा रहा है। अगले हफ्ते भारत को 6एएच - 64ईअपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों में से पहले तीन मिल जाएंगे। यह भारत की हवाई सुरक्षा को मजबूत करेगा। 2020 में भारत और अमेरिका के बीच एक समझौते के तहत ये हेलीकॉप्टर भारत को मिल रहे हैं। इससे भारत की पश्चिमी सीमा और भी सुरक्षित हो जाएगी। ये अपाचे हेलीकॉप्टर भारत की हवाई ताकत को बढ़ाएंगे। ये हेलीकॉप्टर आधुनिक तकनीक से लैस हैं। इनसे दुश्मन पर हमला करना आसान होगा।

मोदी कैबिनेट ने लिए बड़े फैसले

नयी दिल्ली,16 जुलाई 2025(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश की कृषि और ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने वाले तीन बड़े फैसलों को मंजूरी दी गई। इनमें एक ओर जहां कृषि जिलों के समग्र विकास की योजना को स्वीकृति दी गई,वहीं दूसरी ओर रेन्वेबल एनर्जी में बड़े पैमाने पर निवेश का रास्ता साफ किया गया। कैबिनेट ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को 2025-26 से शुरू कर छह वर्षों के लिए मंजूरी दी है। इसका टारगेट 100 कृषि जिलों का विकास करना है। यह योजना नीति आयोग के 'आकांक्षी जिलों' कार्यक्रम से प्रेरित है, लेकिन यह खासतौर से कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों पर केंद्रित है। योजना का मकसद कृषि उत्पादकता बढ़ाना,फसल डाइवर्सिफिकेशन को प्रोत्साहित करना,टिकाऊ कृषि ऑप्शन को अपनाना,पंचायत और ब्लॉक स्तर पर भंडारण की सुविधा बढ़ाना,सिंचाई व्यवस्था को बेहतर करना शामिल है। इस योजना को 11 मंत्रालयों की 36 योजनाओं के कोऑर्डिनेशन के जरिए लागू किया जाएगा,जिसमें राज्य सरकारों की योजनाएं और निजी क्षेत्र की साझेदारी भी शामिल होगी. 100 जिलों का चयन कम उत्पादकता, कम फसल साइकिल और कम लोन डिस्ट्रिब्यूशन जैसे तीन प्रमुख मानकों के आधार पर किया जाएगा. हर राज्य से कम से कम एक जिला शामिल किया जाएगा।

कैबिनेट ने एनटीपीसी लिमिटेड को रेन्वेबल एनर्जी क्षेत्र में निवेश के लिए मौजूदा सीमा से ऊपर जाकर 20,000 करोड़ रुपये तक निवेश की अनुमति दी है। यह निवेश एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और इसकी सहायक कंपनियों और संयुक्त उपक्रमों के जरिए किया जाएगा, ताकि 2032 तक 60 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता हासिल की जा सके. एनएलसीआईएल को भी 7,000 करोड़ रुपये के निवेश की विशेष छूट दी गई है,जो वह अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड के जरिए रेन्वेबल एनर्जी प्रोजेक्ट में लगाएगी। इससे कंपनी को संचालन और वित्तीय लचीलापन मिलेगा।

संपादकीय

ट्रंप की प्रतिक्रिया

फिलिस्तीन और पश्चिम एशिया के लिए कोई न्याय की बात करे यह बात नेतन्याहू और ट्रंप को हजम नहीं होती। यही कारण है कि जब ब्रिक्स देशों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, अस्थिरता और गाजा के खिलाफ इस्त्राइली हमलों और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की तो ट्रंप तिलमिला उठे। जब ट्रंप अपने देश में यहूदी विरोध के बहाने अपने ही विविद्यालयों पर तमाम पाबंदियां लगा सकते हैं तो ब्रिक्स देशों की यह हरकत कैसे बर्दाश्त करते। फलस्वरूप उन्होंने इन देशों पर ही अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी तक दे डाली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त घोषणा-पत्र ट्रंप के तिलमिलाने का कारण साबित हुआ। घोषणा-पत्र में कही गई हर बात ट्रंप और नेतन्याहू का मुंह ही नहीं चिढ़ाती, बल्कि इसकी भी झलक दिखाती है कि बदलती दुनिया क्या चाहती है। घोषणा-पत्र में ब्रिक्स देशों ने दोहराया कि इस्त्राइल-फिलिस्तीन संघर्ष का न्यायसंगत और स्थायी समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से ही प्राप्त किया जा सकता है।यह फिलिस्तीनी लोगों के वैध अधिकारों की पूर्ति पर निर्भर करता है, जिसमें आत्मनिर्णय और वापसी के अधिकार शामिल हैं। ब्रिक्स ने क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का पालन करने का आह्वान किया है,और मानवीय सहायता के राजनीतिकरण और सैन्यीकरण के प्रयासों की निंदा की। घोषणा-पत्र सामने आते ही ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया जताई और ब्रिक्स देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे डाली और कहा कि इसका कोई अपवाद नहीं होगा।लगता है कि ट्रंप ने अपवाद न होने वाली बात कह कर भारत को भी अपना रुख कड़ा करने का इशारा दे दिया है। चीन ने राष्ट्रपति ट्रंप की इस धमकी पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीतिक दबाव का निर्थक साधन बताया। लेकिन ट्रंप भारत के साथ एक बड़े व्यापार समझौते का जो इशारा देते रहे हैं,लगता है वह उलझ सकता है। अभी तक तो भारत इस्त्राइल विरोधी किसी भी मुहिम में शामिल होने से किनारा करने की नीति पर चलता रहा है, लेकिन लगता है कि ब्रिक्स घोषणा-पत्र भारत की मजबूरी बन गया है। ब्रिक्स के मूल सदस्यों में शामिल रूस और चीन के तो अमेरिका के दबाव में आने की बात सोचना भी संभव नहीं है, लेकिन भारत, मिस्त्र, इथियोपिया,इंडोनेशिया,ईरान,सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के लिए दिक्कतें बढऩे वाली हैं।

अभिव्यक्ति की पीठ पर खड़ी पत्रकारिता और प्रतिष्ठा के मौन में थरथराता न्याय

अभिमनोज
तिलहरी,जबलपुर -482021
मध्यप्रदेश

जब पत्रकार अपने शब्दों से सत्ता की चुप्पियों को तोड़ता है, तो वह केवल सूचनाएँ नहीं बाँटता, वह सत्य की संभावनाएँ खोलता है। पर यही पत्रकार,जब डिजिटल माध्यम के अनियंत्रित तूफ़ान में खड़ा होता है, तो उसके शब्द तलवार बन सकते हैं–जिसका एक छोर जनहित की रक्षा करता है,और दूसरा अनजाने में किसी की प्रतिष्ठा को लहूलुहान कर सकता है। यही वह गहरी रेखा है,जहाँ भारत का संवैधानिक अधिकार–अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता–और एक नागरिक का मौलिक सम्मान–प्रतिष्ठा की रक्षा–एक दूसरे से टकराने लगते हैं।

डिजिटल पत्रकारिता,जो आरंभ में स्वराज और स्वतंत्र संवाद की भूमि थी,अब एक ऐसा मंच बन गई है, जहाँ शब्दों की रफ़्तार सच्चाई से तेज़ और जिम्मेदारी से हल्की हो चली है। पारंपरिक मीडिया के पास संपादकीय अनुशासन, कानूनी समीक्षा और नैतिक मर्यादाएँ होती थीं; परंतु अब एक स्वतंत्र यूट्यूबर पत्रकार या ब्लॉग लेखक महज एक क्लिक में करोड़ों लोगों तक पहुँच सकता है। पर इसी शक्ति के साथ, उसकी एक असावधान अभिव्यक्ति समाज, कानून और व्यक्ति तीनों को प्रभावित कर सकती है।

शब्दों की अदालतः जब पत्रकारिता न्याय के कटघरे में होती है...

पत्रकारिता लोकतंत्र की आत्मा है, और उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसका शब्द है। पर आज वही शब्द कई बार एफआईआर बन रहा है, और वही आवाज़ अदालतों में अपराध के कटघरे में खड़ी हो रही है। विशेषतः डिजिटल पत्रकारिता के इस नए युग में, जहाँ कोई स्वतंत्र पत्रकार अपने मोबाइल कैमरे या यूट्यूब चैनल के ज़रिये सत्ताधारी वर्ग को कटघरे में खड़ा कर सकता है, वहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानहानि के कानून के बीच का द्वंद्व एक तीखा और जटिल रूप ले चुका है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) हर नागरिक को विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है,किंतु अनुच्छेद 19(2) इस स्वतंत्रता पर कुछ यथोचित प्रतिबंधों की अनुमति देता है–जिनमें मानहानि प्रमुख है। यही वह संवैधानिक द्वंद्व है जहाँ पत्रकार का कलम और किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा एक-दूसरे के आमने-सामने आ खड़े होते हैं। नए आपराधिक कानून–भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस)–में मानहानि को दंडनीय अपराध बनाए रखा गया है। बीएनएस की धारा 356 (पूर्ववत आईपीसी की धारा 499) मानहानि की परिभाषा देती है और धारा 357 (पूर्व आईपीसी की धारा 500) इसके लिए दंड का प्रावधान करती है–जिसके अंतर्गत अधिकतम दो वर्ष की कारावास, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। साथ ही, आईपीसी की धारा 500 (अब बीएनएस की धारा 357) लंबे समय से यह स्थापित करती आई है कि यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य की मानहानि करता है, तो यह एक आपराधिक अपराध होगा, और इसमें अदालत द्वारा दोष सिद्ध होने पर सजा दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त, यदि डिजिटल पत्रकारिता के किसी कृत्य में

जानबूझकर झूठी सूचना फैलाने का उद्देश्य हो, तो बीएनएस की धारा 197(1) (पूर्व आईपीसी की धारा 505) भी लागू हो सकती है, जो सार्वजनिक शांति भंग करने वाली झूठी या भ्रामक खबरों को रोकने के लिए प्रयोग में लाई जाती है।

यहीं से प्रश्न उठता हैः-जब एक डिजिटल पत्रकार किसी मंत्री या प्रशासनिक अधिकारी के भ्रष्टाचार का खुलासा करता है, और उसके तुरंत बाद उस पर मानहानि का मुकदमा दर्ज होता है, तो क्या यह न्याय का अनुपालन है, या सत्य को दबाने का रणनीतिक प्रयास?

सुप्रीम कोर्ट ने सुब्रमण्यम स्वामी बनाम भारत संघ (2016) में इस प्रश्न का उत्तर दिया था। न्यायालय ने कहा, लोकतंत्र केवल राजनीतिक संरचना नहीं, विचारों का क्षेत्र है, और आलोचना उसकी प्राणवायु है। केवल इसलिए कि कोई सार्वजनिक व्यक्ति असहज होता है,उसे मानहानि का मामला बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।÷ परंतु जमीनी हकीकत इस निर्णय के प्रतिकूल ही दिखाई देती है।

2021 में मध्यप्रदेश में एक स्वतंत्र पत्रकार ने फेसबुक पर एक मंत्री के ज़मीन विवाद की रिपोर्ट साझा की, और तुरन्त उसके विरुद्ध मानहानि की एफआईआर दर्ज हो गई। ठीक उसी वर्ष, उत्तर प्रदेश में पत्रकार मनोज सिंह ने कोविड काल में ऑक्सीजन की भारी कमी पर रिपोर्टिंग की,और उन पर न केवल मानहानि, बल्कि बीएनस की धारा 150 (पूर्व आईपीसी की धारा 124, राजद्रोह) भी लगा दी गई। यह घटना स्पष्ट करती है कि कुछ शक्तिशाली संस्थाएँ पत्रकारिता को चुनौती नहीं, अपराध मानने लगी हैं। इस विधिक दमन की एक खतरनाक प्रवृत्ति है– एसएलएपीपी यानी ऐसा मुकदमा जो पत्रकारों को चुप कराने और डराने के लिए दायर किया जाता है। भारत में इसके उदाहरण तेजी से बढ़ रहे हैं, जहाँ बड़े कारोबारी समूह, राजनेता और अधिकारी जानबूझकर मानहानि के मुकदमे का उपयोग कर रहे हैं ताकि पत्रकार दबाव में आकर रिपोर्टिंग से पीछे हट जाए। इन मामलों में मानहानि एक औजार बन जाती है–अभिव्यक्ति को डराने का,न कि प्रतिष्ठा की रक्षा का। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर भी टिप्पणी की है कि प्रेस की स्वतंत्रता केवल उसके अस्तित्व की बात नहीं, बल्कि उसकी निर्भीकता की भी रक्षा होनी चाहिए। लेकिन इस संवाद में केवल पत्रकारों को पीड़ित मान लेना भी न्याय नहीं होगा। डिजिटल पत्रकारिता में तथ्य-जांच, द्वितीय पक्ष की राय और भाषा की मर्यादा अक्सर उपेक्षित होती है। कई यूट्यूब पत्रकार रिपोर्ट नहीं, निर्णय सुना देते हैं। अगर कोई पत्रकार अपनी रिपोर्टिंग में किसी को भ्रष्ट, अपराधी या हत्यारा घोषित करता है–बिना अदालत के निर्णय या स्पष्ट प्रमाण के–तो यह केवल मानहानि नहीं, पूर्वग्रहपूर्ण अभियोजन और बीएनएस की धारा 73 (झूठा आरोप) के अंतर्गत दंडनीय हो सकता है।

न्यायपालिका का दृष्टिकोण और डिजिटल पत्रकारिता की चुनौती

उच्च न्यायालयों ने इस स्थिति पर कई बार स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाया है। बॉम्बे हाईकोर्ट का यह कथन कि असुविधा पैदा करना अपराध नहीं होता और सुप्रीम कोर्ट का यह रुख कि पत्रकार की स्वतंत्रता लोकतंत्र की अनिवार्यता है–इन दोनों ने यह सिद्ध किया है कि न्यायपालिका पत्रकारिता के मूल्यों को केवल शब्दों में नहीं, संवैधानिक दायित्व में भी पहचानती है। यही बात अर्णब गोस्वामी बनाम महाराष्ट्र राज्य (2020) मामले में न्यायालय ने दोहराई थी,जहाँ स्वतंत्र रिपोर्टिंग को लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ बताया गया। लेकिन इस संवाद में केवल पत्रकारों को पीड़ित मान लेना भी न्याय नहीं होगा। डिजिटल पत्रकारिता की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि उसकी परिभाषा और उसकी सीमा दोनों अब भी स्पष्ट नहीं हैं। भारत सरकार द्वारा 2021 में बनाए गए डिजिटल मीडिया आचार संहिता और आईटी नियमों में ज़रूर कुछ दिशानिर्देश हैं, लेकिन ये मुख्यतः संगठित मीडिया मंचों के लिए बने हैं। व्यक्तिगत पत्रकार,स्वतंत्र यूट्यूबर और छोटे डिजिटल चैनल अभी भी एक अनिश्चित कानूनी क्षेत्र में काम कर रहे हैं–जहाँ उनके पास आत्मनियमन की शक्ति है, पर उस शक्ति को दिशा देने वाला कोई स्पष्ट कानून नहीं।

इसी शून्य में, न तो पत्रकार अपने दायरे को ठीक से समझ पाता है, और न ही कानून उसे अपराधी और उत्तरदायी के बीच के अंतर में सटीक जगह दे पाता है। फलस्वरूप,पत्रकार कभी सत्ता के सामने असहाय दिखता है, और कभी अपने ही पूर्वाग्रह का शिकार बन, दूसरों की प्रतिष्ठा को क्षति पहुँचाता है। डिजिटल पत्रकारिता में तथ्य-जांच, द्वितीय पक्ष की राय और भाषा की मर्यादा अक्सर उपेक्षित होती है। कई यूट्यूब पत्रकार रिपोर्ट नहीं, निर्णय सुना देते हैं। अगर कोई पत्रकार अपनी रिपोर्टिंग में किसी को भ्रष्ट, अपराधी या हत्यारा घोषित करता है–बिना अदालत के निर्णय या स्पष्ट प्रमाण के–तो यह केवल मानहानि नहीं, पूर्वग्रहपूर्ण अभियोजन और बीएनएस की धारा 73 (झूठा आरोप) के अंतर्गत दंडनीय हो सकता है।

इसलिए यह प्रश्न केवल पत्रकारिता की स्वतंत्रता का नहीं, बल्कि उसकी गरिमा, मर्यादा और विधिक चेतना का भी है। लोकतंत्र में यदि पत्रकार अपने शब्दों से सच्चाई को उभारता है, तो उसे विवेक और संवेदनशीलता का दायित्व भी उठाना होगा। और यदि कोई नागरिक अपमानित होता है, तो उसे न्याय मिलना चाहिए–परंतु वह न्याय बदले का माध्यम नहीं होना चाहिए।

डिजिटल युग का पत्रकार अब केवल एक सूचना दाता नहीं, संविधान की आत्मा का संवाहक है। उसके शब्द लोकतंत्र की धमनियों में बहते हैं–पर यदि वे शब्द विवेकहीन हो जाएँ, तो वे न केवल प्रतिष्ठा, बल्कि अभिव्यक्ति को भी संकट में डाल सकते हैं। इसी कारण समय की आवश्यकता है एक व्यापक, न्यायोचित और संतुलित डिजिटल मीडिया कानून की–जो अभिव्यक्ति की रक्षा करे, परंतु अपमान को अनदेखा न करे।

पत्रकार को भय नहीं, दिशा की ज़रूरत है। कानून को शक्ति नहीं, संतुलन की आवश्यकता है। और समाज को यह बोध कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति और मान-सम्मान एक-दूसरे के शत्रु नहीं, लोकतंत्र की दो आँखें हैं। जब दोनों आँखें खुली होंगी–तभी यह राष्ट्र सच को देख सकेगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

नीति आयोग की मानव पूँजी से संबंधित क्रांति

भारत जैसे विशाल और वैविध्यैपूर्ण देश में प्रगति का वास्तसविक पैमाना केवल जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि वह देश अपनी जनता का कितने बेहतर ढंग से पोषण करता है। मानव पूँजी–हमारी शिक्षा,कौशल,स्वास्थ्य और उत्पादकता–केवल एक आर्थिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक-नीति आयोग के नेतृत्व में एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश द्वारा अपने सबसे महत्वतपूर्ण संसाधन, यानी अपने नागरिकों, में निवेश करने के तरीके को नए आकार में ढाला है।एक ऐसे देश में जहाँ 65 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की है, तो वह जनसांख्यिकीय लाभांश बेहद दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है। लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार अपने साथ एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी लेकर आता है। प्रमुख चुनौती इस युवा ऊर्जा को आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास की शक्ति में रूपांतरित करना है। यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है-जो न केवल आज की प्रगति,बल्कि भविष्य की समृद्धि का भी रोडमैप तैयार कर रहा है। पिछले एक दशक में,नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी साधन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में विकसित हुआ है, जो आँकड़ों, सहयोग और मानव-केंद्रित डिज़ाइन द्वारा समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है। इसने नीति-निर्माण को एक शीर्ष-स्तरीय प्रक्रिया से राज्यों, निजी क्षेत्र, वैश्विक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सह-निर्माण की गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है। इसकी ताकत केवल योजना बनाने में ही नहीं,बल्कि संज्ञान लेने और उन अवधारणाओं को अमली जामा पहनाने में भी निहित है।इसके मार्गदर्शन में मानव पूँजी की आधारशिला-शिक्षा की पूर्णतया नए सिरे से परिकल्परना की गई है। नीति आयोग ने इस बात को स्वीकार करते हुए कि केवल पहुँच ही पर्याप्त नहीं होती, गुणवत्ता और न्या यसंगतता पर ज़ोर दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही,ने–रटंत शिक्षा से आलोचनात्मक चिंतन, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण का रुख करते हुए एक नए युग का सूत्रपात किया। इसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण और विषयों के बीच निर्बाध परिवर्तन पर ज़ोर दिया। इसने देश भर में मौजूद 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को समाहित करते हुए अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से जवाबदेही और कल्पनाशीलता दोनों को सुनिश्चित किया।भारत के युवाओं को 21वीं सदी के लिए कुशल बनाना इसके मिशन का एक और आधार रहा है। कौशल भारत मिशन को समर्थन देने से लेकर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से वंचित जिलों के महत्व पूर्ण भाग तक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित करने तक, नीति आयोग ने कक्षा और करियर के बीच की खाई को पाटने में मदद की है।

-इंद्रजीत सिंह-

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल ?

विजय गर्ग
चांद मलोट
पंजाब

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक अंक-उद्योग में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों,अभिभावकों और शिक्षकों को अंक दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं,जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है,जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही %अंकवीर छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी,जेईई या नीट में पहुंचते हैं,तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है,जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं।यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है,बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता- पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक,मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं,क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति,हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है।

कविता
कौन कितना है...

घटती-घटना

राजेन्द्र लहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

नहीं जाना है उस राह में
जिससे नहीं है मेरा कोई वास्ता,
ला देते हैं रोड़े राहों में
रोक लेते प्रगति वाला रास्ता,
मस्तिष्क को गिरवी रख कर
हर पल उलझे रहते हैं,
हवाबाजी की बातें बता
खुद को ज्यादा सुलझे कहते हैं,
राहें आदमी को कहीं नहीं ले जाती
लोग खुद ही राह बनाते हैं,
सफल हो जाने वाला
सबको एक अलग मंजिल दिखाते हैं,
चालाक व्यक्ति एक ऐसा
वातावरण बनाना चाहता है,
मकड़ी की जालों में फंसे हुए कीटों की तरह
कसमसा कर बैठे लोगों को
उलझाकर एक अलग राह दिखा
बैठे बैठे ताउम्र खाना चाहते हैं,
सब लगे हैं एक दूसरे को उलझाने में,
खुद को समझदार दिखाने में,
लेकिन समझदार वही है जो
उनकी सहमति से उन्हें लुटे,
विनम्रता से सब समर्पित कर कहे
अभी तक हमारे भाग थे फूटे,
आज हिदायतें लगने लगा है बकबक,
पता नहीं चलता है कौन कितना अहमक।

बदन की नहीं,बुद्धि की बनाओ पहचान बहनों

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

अश्लीलता की रील संस्कृति पर एक सवाल

हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहाँ स्क्रीन पर दिखना असल में जीने से ज़्यादा जरूरी हो गया है। जहां ज़िंदगी कैमरे के फ्रेम में सिमट गई है, और इंसान का मूल्य उसके लाइक, फॉलोवर और व्यूज़ से तय होता है। इसी डिजिटल होड़ में स्त्रियों की अभिव्यक्ति भी एक अजीब मोड़ पर आ खड़ी हुई है–जहां रील बनाना कोई बुरा काम नहीं, लेकिन रील के बहाने स्त्री की गरिमा और उसकी सामाजिक छवि का बेशर्म चीरहरण किया जा रहा है। जिम,मॉल,सड़क, बाथरूम और बेडरूम–हर कोना अब कंटेंट स्टूडियो बन चुका है। कुछ लड़कियाँ सोशल मीडिया पर जिस तरह की अश्लील और भद्दी रील्स बना रही हैं, वह केवल खुद की नहीं, समूची नारी जाति की गरिमा पर धब्बा बन रही है। क्या आपको सच में लगता है कि महज वायरल हो जाने से कोई ताक़तवर बनता है? एक औरत के पास उसकी सबसे बड़ी पूंजी उसका आत्मसम्मान और विवेक होता है। आज जो लड़कियाँ एक्सरसाइज के नाम पर ऐसे कपड़े पहन रही हैं कि देखना भी शर्मिंदगी पैदा करे, वे शायद यह नहीं जानतीं कि वे नारी मुक्ति नहीं बल्कि नारी बाजारीकरण का प्रचार कर रही हैं। शरीर दिखाकर पहचान बनाना कोई गर्व की बात नहीं। अगर रील्स ही बनानी हैं,तो क्यों न ऐसी रील बनाओ जिसमें आपकी कला, मेहनत, सोच और संवेदना झलके? आज हर तीसरी रील में पिछवाड़ा फ्रेम के बीच में है, कैमरा कमर पर ज़ूम करता है, और कैप्शन होता है – क्लासी एंड सेक्सी! क्या यही स्त्री की परिभाषा बनती जा रही है? स्त्री आंदोलन कभी इस उद्देश्य से नहीं चला था। हमने शिक्षा, समानता, आज़ादी और आत्मनिर्भरता की लड़ाई लड़ी थी, न कि मंच पर खड़े होकर अंग प्रदर्शन की। जो लोग कहते हैं, ये स्त्रियों की आज़ादी है,उनसे पूछिए–क्या शरीर को उत्पाद बनाना आज़ादी है या आधुनिक गुलामी? और यह दोष सिर्फ उन लड़कियों का नहीं है जो ऐसी रील्स बनाती हैं। यह समाज का भी अपराध है–खासतौर पर पुरुषों का। यही पुरुष ऐसी वीडियो पर मिलियन-मिलियन व्यूज देते हैं, लाइक ठोकते हैं, फिर कमेंट में नैतिकता का भाषण भी पेलते हैं। एक ही वीडियो में पुरुष की आँखें भी डोलती हैं और उंगलियाँ भी नैतिकता टाइप करती हैं। यह दोगलापन बंद होना चाहिए।सोचिए, क्या होगा जब कोई छोटी बच्ची यह सब देखकर बढ़ेगी? जब वह देखेगी कि ज़्यादा अंग दिखाने वाली को ज़्यादा लाइक मिलते हैं, तो वह किस दिशा में जाएगी? यह रील संस्कृति, स्त्रीत्व को छीनने की चुपचाप होती साजिश है। डिजिटल ग्लैमर की इस दौड़ में हम स्त्री को फिर से उस स्थान पर ले जा रहे हैं जहाँ उसे सिर्फ देखे जाने की वस्तु बना दिया गया था। आज़ादी की सही परिभाषा वो होती है जिसमें स्त्री खुद के लिए जीती है,न कि समाज के क्लिकबाज़ी वाले बाजार के लिए। एक लड़की सुंदर हो सकती है,फैशनेबल भी, लेकिन क्या ज़रूरी है कि वह हर बार अपनी देह को ही सेल करे? क्या सोच, क्या विचार, क्या चरित्र, क्या संघर्ष–ये सब सिर्फ उपन्यासों की बातें रह गई हैं? दूसरी तरफ, जिन प्लेटफॉर्म्स को समाजिक सुधार का औजार माना गया था–जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक–उन्हें हमने डिजिटल कोठा बना डाला है। यह केवल सरकार की असफलता नहीं है, बल्कि हम सब की चुप्पी का परिणाम है। यह लड़ाई सिर्फ महिलाओं की नहीं,बल्कि हर उस इंसान की होनी चाहिए जो एक स्वस्थ, गरिमामय,और नैतिक समाज की कल्पना करता है। जो चाहता है कि उसकी बेटी, बहन, दोस्त या पत्नी डिजिटल दुनिया में अपने टैलेंट से पहचानी जाए, न कि अपनी कमर के घुमाव से।अब समय आ गया है कि स्त्रियाँ खुद आगे बढ़कर कहें–बस बहुत हुआ। रील्स बनानी हैं, बनाओ, लेकिन सोच से बनाओ। डांस करो, पर आत्मा से–नॉट कैमरे की भूख से।हंसाओ, सुनाओ,सिखाओ,जोड़ो–क्योंकि स्त्री सिर्फ आकर्षण नहीं, प्रेरणा होती है।

और पुरुषों से भी यही कहना है–अब अपने क्लिक से समाज को मत चलाओ। अगर अश्लीलता बंद करनी है, तो उसे देखना बंद करो।रील्स वायरल तब होती हैं जब उन्हें देखे जाने वाले आंख मूंद लेते हैं और दिल खोल देते हैं। एक बात और–जो लड़कियाँ यह सोचती हैं कि लोग उन्हें पसंद कर रहे हैं, वे ये समझें कि पसंद और उपभोग में फर्क होता है।

एक को देख कर सम्मान मिलता है, दूसरे को देख कर हवस जागती है। आप खुद तय करें, आप कौन सी नज़रों में आना चाहती हैं?

शायद अब वक्त है एक नई डिजिटल क्रांति का,जहाँ स्त्री के हाथ में मोबाइल हो–पर कैमरे के सामने न शरीर,बल्कि विचार हों। रील में न खोओ बहना, सोच को आवाज़ दो,जो तुम हो भीतर से, वही असली साज़ दो बदन की नहीं,बुद्धि की बनाओ पहचान,यही है स्त्री की सबसे ऊँची उड़ान!

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सविलियन की मांग को लेकर एनएचएम कर्मचारियों का कलेक्टोरेट घेराव,10 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों ने अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए कलेक्टोरेट का घेराव किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के बैनर तले आयोजित इस रैली में कर्मचारियों ने बरसते पानी में छाता ओढक़र पैदल मार्च किया और नारेबाजी करते हुए कलेक्टोरेट पहुंचे, जहां उन्होंने नायब तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में संविलियन,स्थायीकरण,समान कार्य के लिए समान वेतन,ग्रेड पे व्यवस्था लागू करना, पारदर्शी कार्य मूल्यांकन प्रणाली, स्थानांतरण नीति और कैशलेस चिकित्सा बीमा शामिल हैं। एनएचएम कर्मचारी लंबे समय से वर्ष 2018 की मानव संसाधन नीति के तहत कार्यरत हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे राज्य के स्वास्थ्य ढांचे की रीढ़ हैं और कोविड काल जैसी विषम परिस्थितियों में भी निरंतर सेवा दी,लेकिन

इसके बावजूद उन्हें संविदा के तहत अस्थिर भविष्य में कार्य करना पड़ रहा है। संघ की जिला अध्यक्ष शिल्पी राय ने मांग की कि शिक्षा विभाग की तर्ज पर एनएचएम कर्मचारियों का भी संविलियन किया जाए और जब तक स्थायीकरण की नीति नहीं बनती, तब तक नियमित भर्तियों में 50 प्रतिशत पद उनके लिए आरक्षित किए जाएं। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों–मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा–की तरह छत्तीसगढ़ में भी एनएचएम कर्मचारियों के लिए ग्रेड पे व्यवस्था लागू होनी चाहिए, जिससे वेतन विसंगतियों को दूर किया जा सके। कर्मचारियों ने यह भी मांग की कि कार्य मूल्यांकन प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जाए, ताकि किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत दुर्भावना का असर प्रदर्शन पर न पड़े। साथ ही अनुकंपा नियुक्ति, सवैतनिक चिकित्सा अवकाश, संतान पालन अवकाश तथा अर्जित अवकाश जैसी सुविधाएं भी नियमित कर्मियों की तरह दी जाएं। उन्होंने पब्लिक हेल्थ कैडर के गठन की मांग करते हुए बताया कि इससे क्लिनिकल और मैनेजमेंट कैडर के एनएचएम कर्मियों को स्थायित्व मिलेगा और स्वास्थ्य व्यवस्था में पेशेवर गुणवत्ता बढ़ेगी।

यह है प्रमुख मांगें...

संविलियन व स्थायीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन व ग्रेड पे, कैशलेस चिकित्सा बीमा (10 लाख तक), पारदर्शी मूल्यांकन प्रणाली, सवैतनिक अवकाश और अनुकंपा नियुक्ति,पब्लिक हेल्थ कैडर का गठन, नियमित भर्ती में 50 प्रतिशत पद आरक्षित सहित अन्य मांगें शामिल है। वहीं प्रदर्शन में जिलेभर से भारी संख्या में एनएचएम कर्मचारी शामिल हुए और अपनी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाया। यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो आगामी दिनों में विधानसभा घेराव की चेतावनी दी गई है।

विद्यालयों में 6 से 12 अगस्त तक मनाया जाएगा संस्कृत सप्ताह

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले के समस्त हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में इस वर्ष भी श्रावण पूर्णिमा (रक्षाबंधन) के तीन दिन पूर्व एवं तीन दिन बाद अर्थात 06 अगस्त से 12 अगस्त 2025 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृत सप्ताह के आयोजन संबंधी निर्देश सचिव,छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम्, रायपुर द्वारा जारी किए गए हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार इस अवधि में विद्यालयों में निबंध लेखन,वाद-विवाद, संस्कृत नाटक, कहानी लेखन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही संस्कृत आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, विद्वानों की संगोष्ठी,साहित्य प्रदर्शनी,भाषण,परिचर्चा एवं संस्कृत गीत आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्कृत विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि निर्धारित तिथि अनुसार कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित करें एवं संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु 31 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि ऐसे बालक-बालिकाएं जिन्होंने बहादुरी,खेल, सामाजिक सेवा और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण,कला और संस्कृति एवं नवाचार के क्षेत्र में असाधारण क्षमता और उपलब्धि प्राप्त की है जो कि राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हो, उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 प्रदान किया जाना है। जिसके लिए पात्र बालक एवं बालिकाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु ऑनलाइन पोर्टल https://awards.gov.in पर 31 जुलाई 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। इस हेतु आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए, आवेदक भारतीय नागरिक हो, प्राप्त उपलब्धि आवेदन करने की अंतिम तिथि से दो वर्ष के भीतर होनी चाहिए, आवेदक को उक्त समान श्रेणी में पूर्व में पुरस्कार प्राप्त नहीं हुआ हो। उन्होंने बताया कि आवेदन के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में मो.न. 7000448404 पर संपर्क किया जा सकता है।

भारतीय वायुसेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

बलरामपुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया है कि भारतीय वायु सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु अविवाहित युवक एवं युवतियों से ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट अग्निपथवायु.सीडीएसी.ईन पर आमंत्रित किया गया है। अग्निवीर वायु भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम 31 जुलाई 2025 तक निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के वेबसाइट पर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी का जन्म 02 जुलाई 2005 से 02 जनवरी 2009 के बीच हुआ हो। साथ ही 12वीं कक्षा न्यूनतम 50 अंको तथा अंग्रेजी विषय में 50 अंक के साथ उत्तीर्ण हो वे आवेदन कर सकते हैं।

बिजली दरों को ले कर कांग्रेस जनता को गुमराह कर रही है : भारत सिंह सिसोदिया

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में बिजली दरों में हुई बढ़ोत्तरी को लेकर कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव द्वारा लगाए गए आरोपों पर भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि

टीएस सिंहदेव और कांग्रेस जनता को जानबूझकर गुमराह कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी तकनीकी और आर्थिक कारणों से जरूरी थी, न कि किसी राजनीतिक मंशा से।श्री सिसोदिया ने कहा कि राज्य सरकार को बिजली उत्पादन और वितरण लागत में भारी इज़ाफा झेलना पड़ रहा है। कोयले की कीमतें, ट्रांसमिशन लागत और रखरखाव खर्च में हुई बढ़ोतरी के चलते दरें समायोजित करना आवश्यक था। जब देश और दुनिया में ऊर्जा की लागत बढ़ रही है, तो छत्तीसगढ़ भी उससे अछूता नहीं रह सकता। कांग्रेस के समय सिर्फ दरें कम दिखाने के लिए बिजली कंपनियों को भारी कर्ज में डुबो दिया गया था। भाजपा सरकार उसी गड्ढे से राज्य को बाहर निकाल रही है। उन्होंने टीएस सिंहदेव के कोयला हमारा, जमीन हमारी वाले बयान को भ्रामक बताया। सिसोदिया ने कहा कि अगर संसाधन राज्य के हैं, तो जिम्मेदारी भी हमारी है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हम घाटे में जाकर पूरी व्यवस्था ठप कर दें। कांग्रेस का मॉडल सिर्फ सब्सिडी और वोट बैंक की राजनीति है, जबकि भाजपा का मॉडल दीर्घकालिक विकास और जवाबदेही का है।

होटल संचालक व गार्ड के साथ मारपीट करने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

शहर के होटल संचालक व गार्ड के साथ की गई मारपीट के मामले में कोतवाली पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वाहन पार्किंग की बात को लेकर आरोपियों ने होटल संचालक व गार्ड के साथ मारपीट किए थे। घटना का वीडिया भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। होटल संचालक केदारपुर निवासी दीपक जायसवाल ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया था कि 8 जुलाई की शाम को विकास सोनी, चुम्मा शर्मा उर्फ दीपक शर्मा, विशाल मिंज,राहुल सिंह,अविनेन्द्र सिंह उर्फ सिप्पू,सिद्धार्थ त्रिपाठी, गोरा खान एवं अन्य लोग सेहत भोजनालय से खाना खाकर बाहर निकले,जो अपने वाहनों को प्रार्थी के होटल के सामने बेतरतीब तरीके से खड़ी किये थे। होटल के गार्ड सूरज द्वारा उन्हे अपने वाहन को

सही तरीके से खड़ा करने के लिए बोल रहा था। इतने में सभी मिलकर गार्ड को गाली गलौज करने लगे, तब होटल संचालक दीपक द्वारा उक्त युवकों को गाली गलौज करने से मना करने पर उक्त युवकों ने हाथ मुक्के,तथा स्टील के रॉड, हॉकी स्टीक से गार्ड को मारने लगे तब दीपक जायसवाल व इसके चाचा सतीश जायसवाल बीच बचाव करने गये तो युवकों ने इनके साथ भी मारपीट की थी। दीपक जासवाल की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी चुम्मा शर्मा उर्फ दीपक शर्मा पिता संतोष शर्मा उम्र 32 वर्ष निवासी आईटीआई कॉलोनी कोर्ट के पीछे, विकास सोनी उर्फ़ भोला सोनी पिता दशरथ प्रसाद सोनी उम्र 27 वर्ष नगर निगम पानी टंकी के पास,अविनेन्द्र सिंह उर्फ सिप्पु पिता रोजश सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी बाबूपारा जेल रोड़,विशाल मिंज आत्मज कुवर साय मिंज उम्र 37 वर्ष निवासी नावापारा चर्च के सामने थाना गांधीगनर, राहुल सिंह आत्मज स्व. सतेन्द्र सिंह उम्र 37 वर्ष निवासी मिशन चौक, सिद्धार्थ त्रिपाठी उर्फ सिद्ध पिता धनंजय त्रिपाठी उम्र 32 वर्ष निवासी शिव मंदिर के नीचे गांधीनगर,गोरा खान उर्फ मो. जावेद सिद्धकी पिता मजहर अली उम्र 44 वर्ष निवासी टावर गली मोमिनपुरा थाना अम्बिकापुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 296,351(3),115(2), 3(5),191(2),191(3), 234,333 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी गोरा खान, विशाल मिंज एवं सिद्धार्थ त्रिपाठी के विरुद्ध पूर्व में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज है। मामले में अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार हैं, जिसकी पता तलाश की जा रही है।

विद्यालयों में 6 से 12 अगस्त तक मनाया जाएगा 'संस्कृत सप्ताह'

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025(घटती-घटना)।

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले के समस्त हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में इस वर्ष भी श्रावण पूर्णिमा (रक्षाबंधन) के तीन दिन पूर्व एवं तीन दिन बाद अर्थात 06 अगस्त से 12 अगस्त 2025 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृत सप्ताह के आयोजन संबंधी निर्देश सचिव, छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डल, रायपुर द्वारा जारी किए गए हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार इस अवधि में विद्यालयों में निबंध लेखन,वाद-विवाद,संस्कृत नाटक, कहानी लेखन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही संस्कृत आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां,विद्वानों की संगोष्ठी, साहित्य प्रदर्शनी,भाषण,परिचर्चा एवं संस्कृत गीत आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के अंतर्गत संस्कृत विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि निर्धारित तिथि अनुसार कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित करें एवं संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

सडक़ हादसे में घायल युवक की मौत

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

दोस्तों के साथ जन्मदिन की पार्टी कर मंगलवार को मैनपाट से वापस लौट रहे बाइक सवार दो युवक सडक़ दुर्घटना में घायल हो गए थे। एक युवक की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार आदित्य यादव पिता दिनेश यादव उम्र 19 वर्ष वसंधरा विहार कॉलोनी का रहने वाला था। वह मंगलवार को नितेश व अन्य दोस्तों के साथ-अलग-अलग बाइक में मैनपाट जन्मदिन मनाने गया था। आदित्य व नितेश एक बाइक पर थे। वापस लौटने के क्रम में मैनपाट के नागाडांड़ के पास बाइक अनियंत्रित हो गई। दोनों सडक़ पर गिर गए। दोनों को मैनपाट अस्पताल से रेफर करने पर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान आदित्य की मौत हो गई।

साइबर ठगी में प्रयुक्त म्यूल अकाउंट के दो और आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना पुलिस ने साइबर ठगी और अवैध सट्टा लेन-देन में प्रयुक्त म्यूल अकाउंट के दो खाता धारकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कुछ राशि के बदले में अपने बैंक खाते खोलकर अन्य अपराधियों को सौंपे थे, जिनका उपयोग साइबर फ्रॉड और सट्टा के अवैध लेनदेन में किया गया। गांधीनगर थाना पुलिस ने विवेचना के दौरान आरोपियों रवि कुमार माझी और धीरज कुमार सिंह का पता लगाकर उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ में रवि कुमार माझी (पिता सोती राम माझी, उम्र 34 वर्ष, निवासी नेहरू वार्ड, सत्तीपारा)

और धीरज कुमार सिंह (पिता स्व. दिलीप सिंह, उम्र 34 वर्ष, निवासी बीचपारा, फूंदुरडिहारी) ने स्वीकार किया कि उन्होंने कुछ रकम के बदले अपना खाता खुलवाकर अन्य आरोपियों को सौंपा था। इन खातों का उपयोग अवैध सट्टा और साइबर ठगी की रकम के लेनदेन में किया गया। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपियों के खातों से साइबर फ्रॉड से प्राप्त धनराशि का लेनदेन किया गया है। मामला थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 397/25, धारा 317(4), 318(4), 61(2) बी.एन.एस. के तहत दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया,जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

मामले में शामिल अन्य आरोपी घटना के बाद से फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप जायसवाल,साइबर सेल एएसआई अजीत मिश्रा,प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा,आरक्षक अरविंद उपाध्याय,ऋषभ सिंह, घनश्याम देवांगन, वीरेंद्र पैकरा,अनुज जायसवाल,जितेश साहू,मनीष सिंह, राहुल केरकेट्टा व अमनपुरी की सक्रिय भूमिका रही।

अभाविप ने 138 मेधावी छात्रों का किया सम्मान

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर दिया जोर

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) अंबिकापुर इकाई द्वारा मंगलवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में 468 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही, जिसमें हाईस्कूल और हायर सेकंडरी के 138 मेधावी विद्यार्थियों को उनके बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि, पूज्य संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद केवल शिक्षा के क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं के समग्र

विकास और राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। मुख्य वक्ता प्रांत संगठन मंत्री महेश साकेत ने अभाविप को विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन बताते हुए कहा कि यह संस्था युवाओं में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना और नेतृत्व भावना का विकास करती है। प्रदेश सहमंत्री अनंत सोनी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि देश के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का बोध कराना भी है। नगर मंत्री रोनी मिश्रा ने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं,शिक्षकों, पालकों व प्रशासनिक सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अभाविप के समर्पित कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं।

यह कार्यक्रम न सिर्फ छात्रों के लिए प्रेरणादायक रहा, बल्कि युवाओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की भावना से भी जोड़ा।

करंट की चपेट में आने से ससुर की मौत, बहू का चल रहा इलाज

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम सोहगा में मंगलवार की दोपहर करंट की चपेट में आने से वृद्ध की मौत हो गई। जबकि बचाने के दौरान बहू भी चपेट में आ गई। जिसका इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार रामविलाश चौबे उम्र 81 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम सोहगा का रहने वाला था। वह मंगलवार की दोपहर नहाने के बाद कपड़ा सूखाने के लिए रस्सी पर फैला रहा था। इस दौरान वह घर के लिए लगाए गए बिजली तार के संपर्क में आ गया। बहू कांति चौबे ने देखी तो वह बचाने की कोशिश की पर वह सफल नहीं हुई और वह भी करंट की चपेट में आ गई। परिजन ने देखा तो तार को काट कर दोनों को अलग किया। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया।

जिला पंचायत सदस्यों के तीन दिवसीय आधारभूत एवं अभिमुखीकरण प्रशिक्षण की हुई शुरुआत

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र के सभाकक्ष में बुधवार को जिला पंचायत सदस्यों के तीन दिवसीय आधारभूत एवं अभिमुखीकरण प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। यह प्रशिक्षण 18 जुलाई 2025 तक जारी रहेगा। प्रशिक्षण की शुरुआत दीप प्रवलन कर किया गया। शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत सरगुजा के सदस्यों के साथ-साथ उपायुक्त सरगुजा श्री आर.के. खूंटे, जिला

पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल, क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केन्द्र सरगुजा के प्राचार्य श्री हरिशंकर चौहान, उपसंचालक पीटीसी श्री मिथलेश पैकरा, उप संचालक पंचायत श्री यशपाल प्रेक्षा, संकाय सदस्य श्रीमती श्रद्धा मिश्रा एवं श्री उमेश प्रसाद सिंह उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-राजपुर मार्ग स्थिति ककना के पास मंगलवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुनील दास पिता कलेश्वर दास उम्र 24 वर्ष कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम बकना खुर्द का रहने वाला था। वह मंगलवार को बरियों से काम कर बाइक से घर लौट रहा था। ककना के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराए थे।

सोख्ता गड्ढ़ा निर्माण में जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज

जल संरक्षण के दिशा में जनभागीदारी एवं प्रशासन का विशेष प्रयास

बलरामपुर 16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

जल संरक्षण के उद्देश्य से जिले में मोर गांव मोर पानी अभियान अंतर्गत लक्ष्य से अधिक 1 लाख 65 हजार 193 सोख्ता गड्ढ़ों का निर्माण किया गया। जिसमें ग्रामीणों, महिलाओं, आमजनों ने सोख्ता गड्ढ़ा निर्माण में जनसहभागीता दिखाते हुए जलसंरक्षण की दिशा में मिशाल पेश की जिसके तहत् सोख्ता गड्ढ़ा निर्माण में जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल किया गया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की स्टेट हेड श्रीमती सोनल शर्मा ने कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर व अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

CMYK

गाजा में फूड सेंटर पर भगदड़,43 की मौत

15 लोगों को भीड़ ने कुचला,इजराइली सेना पर नरसंहार का आरोप

गाजा,16 जुलाई 2025। गाजा के खान यूनिस में बुधवार को एक फूड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर 43 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 21 लोग खाना लेने की कोशिश में मारे गए। जबकि 15 लोगों की मौत भगदड़ में कुचल कर हुई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हादसा गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन सेंटर पर हुआ। मंत्रालय ने इजरायली सेना और अमेरिका पर जानबूझकर भूखे लोगों का नरसंहार करने का आरोप लगाया। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन ने भी अब तक 20 लोगों के मारे जाने की बात स्वीकार की है। लेकिन इसके लिए हमास से जुड़े लोगों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। यूएन ने गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन सेंटर्स को मौत का जाल करार दे चुका है। मई के अंत से अब तक इन सेंटर्स पर या आसपास 870 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

इजराइल पर फिलिस्तीनियों को ड्रग्स देने का भी आरोप

गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने पिछले महीने इजराइली आर्मी पर फिलिस्तीनियों को ड्रग्स देने का आरोप लगाया था। सरकारी मीडिया ऑफिस का कहना था कि गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन ने फिलिस्तीनी लोगों को जो आटे की बोरियां दी हैं, उनमें ऑक्सीकोडोन नाम की नशीली गोलियां मिली हैं। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन को इजराइली सेना चलाती है और इसे अमेरिका से सपोर्ट मिलाता है। जीएमओ ने कहा था कि यह लोगों को नशे की लत लगाने की साजिश है। इजराइल नशीली दवाओं को हथियार के तौर में इस्तेमाल कर रहा है।

गाजा में 70% बिल्डिंग्स तबाह : गाजा के मीडिया कार्यालय ने इजराइल पर आरोप लगाया कि वह गाजा पट्टी से फिलिस्तीनी आबादी खाली करने की साजिश रच रहा है। ऑफिस ने कहा कि इजराइली सेना जबरन बेदखली,बमबारी और सहायता रोककर गाजा को तबाह कर रही है। यह नरसंहार और नस्लीय सफाई है।

गाजा में अब तक 58 हजार से ज्यादा लोगों की मौत

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में शुरू हुए युद्ध के बाद से इजराइली हमलों में गाजा के 58,573 लोग मारे गए हैं और 1,39,607 अन्य घायल हुए हैं। पिछले 24 घंटों में 94 लोगों की मौत हुई है और 252 घायल हुए। 18 मार्च को के बाद से अब तक कम से कम 7,750 लोग मारे गए हैं और 27,566 घायल हुए हैं। गाजा में जंग के बीच 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट पैदा हो गया है। गाजा के हालात पर 12 मई को संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट पेश की थी। इसके मुताबिक अगर इजराइल पाबंदियां नहीं हटाता है तो गाजा में हर 5 में से 1 व्यक्ति भुखमरी की चपेट में आ सकता है।

इस्राइल ने सीरियाई सेना के मुख्यालय पर किया हमला भारी नुकसान की आशंका

दमिश्क,16 जुलाई 2025। इस्राइल ने बुधवार को सीरिया की सेना के मुख्यालय को निशाना बनाते हुए हमला किया है। रिपोर्ट के अनुसार, सीरियाई सुरक्षा बलों और ड्रूज सशस्त्र समूहों के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान इस्राइल ने दमिश्क में रक्षा मंत्रालय के निकट हमला किया। मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि इस हमले में दमिश्क में स्थित सीरियाई सेना के मुख्यालय को भारी नुकसान पहुंचा है। इस्राइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि आईडीएफ ने सीरिया के दमिश्क क्षेत्र में सीरियाई शासन के सैन्य मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर हमला किया है। वह स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। सेना ने कहा, आईडीएफ दक्षिणी सीरिया में ड्रूज नागरिकों के खिलाफ घटनाक्रम और शासन की कार्रवाई पर नजर रख रही है। आईडीएफ के अनुसार यह हमला इस्राइल के राजनीतिक नेतृत्व के निर्देशों के अनुसार किया गया है। बता दें कि सीरिया के दक्षिणी स्वैदा प्रांत में एक बार फिर हिंसक झड़पें हुईं। इसके बाद सुरक्षा बलों और ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक के मिलिशिया समूह के बीच हुआ संघर्ष विराम टूट गया। वहीं ड्रुजों पर हुए हमलों को लेकर इस्राइल ने कड़ी चेतावनी दी है। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने मिलिशिया पर युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सैन्य बल स्वैदा शहर के अंदर आग के स्रोत पर कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। जबकि निवासियों की सुरक्षा, नुकसान को रोकने और शहर छोड़कर चले गए लोगों की सुरक्षित घर वापसी कराई जा रही है।

अमेरिका की वांटेड लिस्ट में पाकिस्तान में ईरानी राजदूत शामिल

वॉशिंगटन,16 जुलाई 2025। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने ईरान के राजनयिक रेजा अमीरी मोगदम को अपनी मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया है। मोगदम फिलहाल पाकिस्तान में ईरान के राजदूत हैं। मोगदम पर आरोप है कि उन्होंने 2007 में एक रिटायर्ड अमेरिकी एफबीआई एजेंट रॉबर्ट लेविंसन के अपहरण की योजना बनाने और उसे छिपाने में अहम भूमिका निभाई थी। लेविंसन 8 मार्च 2007 को ईरान के किश द्वीप पहुंचे थे और अगले ही दिन अचानक गायब हो गए थे। अब तक उनकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है।

अपहरण कैसे हुआ,इसकी गुत्थी सुलझा रहे...

एफबीआई का मानना है कि मोगदम ने उस पूरे ऑपरेशन की निगरानी की थी जिसमें रॉबर्ट लेविंसन का अपहरण हुआ था। बाद में उन्होंने इस पूरे मामले की सच्चाई छुपाने का भी काम किया था। रेजा मोगदम, जिन्हें अहमद अमीरिनिया के नाम से भी जाना जाता है, पहले ईरान के खुफिया मंत्रालय में एक सीनियर अधिकारी थे। उनकी निगरानी में ही यूरोप में ईरान के गुप्त एजेंट काम किया करते थे। एफबीआई ने कहा कि वे अभी भी पता लगा रहे हैं कि लेविंसन का अपहरण किन लोगों ने और कैसे किया।

यूएस को इंडियन मार्केट में पहुंच मिलने वाली है : ट्रम्प

ट्रेड डील पर बातचीत जारी,इंडोनेशिया पर 19% टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन,16 जुलाई 2025। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका भारतीय मार्केट में पहुंच हासिल करने के लिए एक समझौते पर काम कर रहा है। इसके अलावा, उन्होंने इंडोनेशिया के साथ एक नए व्यापार समझौते की घोषणा की। इसके तहत इंडोनेशिया से आने वाले सामान पर अमेरिका 19% टैरिफ लगाएगा। ट्रम्प ने भारत को लेकर कहा- हमें इंडियन में मार्केट में पहुंच मिलने वाली है। पहले हमें इन देशों में कोई पहुंच नहीं थी। हमारे लोग वहां व्यापार नहीं कर पाते थे। अब टैरिफ के जरिए हम पहुंच हासिल कर रहे हैं। ट्रम्प ने बताया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो से बात करने के बाद एक व्यापार समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत इंडोनेशिया अमेरिकी इम्पोर्ट पर कोई टैरिफ नहीं लगाएगा, जबकि अमेरिका, इंडोनेशिया के निर्यात पर 19% टैरिफ लगाएगा।

इंडोनेशिया, अमेरिका पर जीरो टैरिफ लगाएगा : ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा- हमने इंडोनेशिया के साथ समझौता किया। मैंने उनके बहुत लोकप्रिय और मजबूत राष्ट्रपति से बात की। अब हमें इंडोनेशिया में पूरी पहुंच मिलेगी। हम कोई टैरिफ नहीं देंगे। उन्होंने आगे कहा- इंडोनेशिया हमें अपने बाजार में एक्सेस दे रहा है, जो पहले कभी नहीं थी। यह समझौते का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके बदले वे 19% टैरिफ देंगे और हम कुछ नहीं देंगे। यह दोनों पक्षों के लिए अच्छा सौदा है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इस समझौते को पक्का बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत इंडोनेशिया अमेरिका से 15 अरब डॉलर की एनर्जी, 4.5 अरब डॉलर के कृषि प्रोडक्ट्स और 50 बोइंग जेट विमान खरीदेगा।

ट्रम्प बोले- यह समझौता पक्का है...

ट्रम्प ने यह भी बताया कि इंडोनेशिया के पास हाई क्वालिटी वाला कॉपर (तांबा) है, जो अमेरिका के लिए फायदेमंद होगा। हालांकि मंगलवार दोपहर तक इंडोनेशिया सरकार ने इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। सीएनएन के मुताबिक, पिछले साल इंडोनेशिया ने अमेरिका को 2 करोड़ डॉलर का तांबा एक्सपोर्ट किया था, जबकि चिली ने 60 करोड़ डॉलर और कनाडा ने 40 करोड़ डॉलर का तांबा एक्सपोर्ट किया था।

दो दिन पहले रूस पर 100% टैरिफ की धमकी दी

ट्रम्प ने सोमवार को रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था- मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा था कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100% टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह सेकेंडरी टैरिफ होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा।

पाकिस्तानी पत्रकार को पूर्व पति ने पीटा,आंखों में सूजन

इस्लामाबाद,16 जुलाई 2025। पाकिस्तानी पत्रकार और टीवी एंकर जस्मीन मंजूर ने अपने पूर्व पति पर घरेलू हिंसा के आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर अपनी चोट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इनमें उनके चेहरे पर चोट और सूजन दिख रही थी। जस्मीन ने दावा किया कि उनके पति ने उनके साथ मारपीट की है। जस्मीन ने एक पोस्ट में लिखा- यह मैं हूं। हां, यह मेरी कहानी है - मेरी जिंदगी एक जालिम इंसान ने बर्बाद कर दी। मैं अपना इंसाफ अल्लाह पर छोड़ती हूं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा- यह मेरे पूर्व पति की देन है। मैं लंबे समय तक सोचती रही कि क्या मुझे यह बात सार्वजनिक करनी चाहिए। लेकिन मैं हिम्मत दिखाना चाहती हूं ताकि हम सब मिलकर इस तरह के व्यवहार के खिलाफ एकजुट हों और सरकारी अधिकारी अपनी आंखें खोलें।

पत्रकार बोलीं- मेरे पास ऐसी 50 तस्वीरें हैं : जस्मीन ने आगे लिखा- यह किसी के भी साथ हो सकता है। घर के अंदर भी कोई सुरक्षित नहीं है। सबसे खतरनाक लोग वही हैं, जिन पर आप आंख मूंदकर भरोसा करते हैं। उन्होंने अपने पूर्व पति को डरपोक बताते हुए कहा कि जब आपको एक महिला मिलती है, तब आप अपना असली रंग दिखाते हैं। आप बस एक डरपोक हैं। कुछ लोग हमेशा नफरत करते हैं, लेकिन उन्हें कोई इल्जाम नहीं दिया जाना चाहिए, यह उनकी जिंदगी की नाकामी है। मेरे पास ऐसी 50 और तस्वीरें हैं। सोशल मीडिया पोस्ट के बाद कई लोग खुलकर जस्मीन के सपोर्ट में आ गए। एक यूजर ने लिखा- घरेलू हिंसा हमारे समाज पर एक दाग है। एक अन्य ने कहा, पाकिस्तान में आप कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने जापान में उद्योग जगत की भागीदारी को मजबूत करते हुए टोक्यो में इंडिया ट्रेंड फेयर का शुभारंभ किया

नई दिल्ली,16 जुलाई 2025। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने जापान की आधिकारिक यात्रा के दूसरे दिन प्रमुख जापानी कंपनियों के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं और 15 जुलाई 2025 को टोक्यो में 16वें इंडिया ट्रेंड फेयर 2025 का उद्घाटन किया। यह मेला भारतीय कपड़ा निर्यातकों के लिए जापानी खरीदारों से सीधे जुड़ने के सबसे बड़े प्लेटफार्मों में से एक है और इससे दोनों देशों का कपड़ा व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। गिरिराज सिंह ने ज़िपर और फास्टनिंग उत्पादों की विश्व की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी वाईकेके कॉर्पोरेशन के प्रमुख से मुलाकात की। हरियाणा में पहले से ही कार्यरत वाईकेके ने अन्य राज्यों में भी विस्तार करने की इच्छा व्यक्त की। श्री सिंह ने उन्हें पीएम मित्र पार्कों में निवेश के लिए आमंत्रित किया, जिसका उन्होंने स्वागत किया गया।

वर्कवियर और फंक्शनल अपैरल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी वर्कमैन कंपनी के अध्यक्ष के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में मंत्री महोदय ने भारत के बढ़ते विनिर्माण इकोसिस्टम पर प्रकाश डाला। वर्कमैन कंपनी ने पीएम मित्रा ढांचे के तहत भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई। श्री सिंह ने डिजिटल और औद्योगिक मुद्रण क्षेत्र की वैश्विक कंपनी कोनिका मिनोल्टा के साथ भी चर्चा की। उन्होंने कंपनी को भारत में परिचालन का विस्तार करने और ईएसजी एवं स्थिरता लक्ष्यों में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया।

कंपनी ने भारत में अपने कारोबार को बढ़ाने के अवसर का स्वागत किया। इसके अलावा, श्री गिरिराज सिंह ने फाइबर, औद्योगिक सामग्री और विशिष्ट वस्त्र उद्योग में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के समूह, असाही कासेई कॉर्पोरेशन के नेतृत्व से भी मुलाकात की। कंपनी ने मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड पहल के तहत निवेश करने में गहरी रुचि दिखाई।

केंद्रीय मंत्री ने जापान के टोक्यो में 20 अरब डॉलर के समूह असाही कासेई की नेतृत्व टीम से मुलाकात की : दिन का समापन टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में एक रोड शो और उद्योग जगत के साथ बातचीत के साथ हुआ, जिसमें कपड़ा क्षेत्र पर केंद्रित भारत-जापान साझेदारी का उत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत की 100 से ज़्यादा हस्तियों ने भाग लिया, जिसमें भारत के राजदूत श्री सिबी जॉर्ज और कपड़ा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। श्री गिरिराज सिंह ने वैश्विक कपड़ा केंद्र के रूप में भारत की विशेषताओं के बारे में भी जानकारी दी और जापानी कंपनियों को भारत के कपड़ा क्षेत्र के विकास में साझेदारी के लिए आमंत्रित किया।

अंधविश्वास के चक्कर में आकर तीन वर्षीय मासूम की चढ़ा दी बलि

तांत्रिक सोच से वशीभूत होकर मासूम को अगवा कर घटना को अंजाम

सामरी,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के थाना सामरीपाठ क्षेत्र में तीन वर्षीय मासूम की निर्मम हत्या कर अंधविश्वास के चक्कर में आकर बलि चढ़ाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल। आरोपी ने नशे की हालत में तांत्रिक सोच से वशीभूत होकर बच्चे को अगवा कर की नृशंस हत्या ।

पुलिस लम्बे समय से पातासाजी में जुटी थी अर्से बाद आया पुलिस की गिरफ्त मे : जानकारी के अनुसार मृतक के पिता बिरेन्द्र नगेसिया ने सामरी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 1 अप्रैल 2024 को उनका बेटा खेलते समय लापता हो गया था। परिजन ने गांव-जंगल में काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। थाना सामरीपाठ अंतर्गत ग्राम झलबासा जंगल में डेरा जमाए परिवार के मासूम बेटे अजय नगेसिया (3 वर्ष) को आरोपी राजू कोरवा (40 वर्ष) निवासी कटईडीह, पंचायत चटनिया थाना चांदो ने मिठाई-बिस्किट का लालच देकर अपने साथ बहला-फुसलाकर घर ले गया। वहां लोहे की छुरी से मासूम की गला रेतकर हत्या कर दी। सिर को तीन दिन तक घर में छिपाकर रखा और फिर नाले में दफन कर दिया। एसपी वैभव बैंकर व एएसपी विश्वदीपक त्रिपाठी के निर्देशन और पुलिस अनुविभागीय

अधिकारी कुसमी इमानुएल लकड़ा के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने गांव में डेरा डालकर लगातार निगरानी की। तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी राजू कोरवा से पूछताछ शुरू की।आरोपी शुरू में गुमराह करता रहा लेकिन कड़ी पूछताछ में जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर मृतक बालक का कटा हुआ सिर बोइदहा नाला के पास जमीन में दबा हुआ बरामद किया गया और धड़ जला देने की पुष्टि हुई। घटना में प्रयुक्त लोहे की छुरी भी आरोपी के घर से जब्त की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका बड़ा बेटा बचपन से मिर्गी और मानसिक बीमारी से पीड़ित था। उसके इलाज के लिए महादानी देवता को मानव बलि देने का अंधविश्वास पाल रखा था। इसी मानसिक विकृति के चलते उसने निर्दोष मासूम की बलि चढ़ाई। इसी अंधविश्वास के कारण आरोपी ग्राम झालाबासा के रास्ते से मासूम को बिस्कुट और मिठाई का लालच देकर गोद में उठकर अपने घर ले गया जहां लोहे की छुरी से मासूम का गर्दन काटकर उसकी हत्या कर दी। आरोपी ने मासूम के धड़ को बोरा में डालकर बोड़ादह कोना नाला में ले जाकर उसी रात जला दिया तथा उसके सिर को 03 दिन तक अपने घर में छिपाकर रखा था। जब परिजन बच्चे की तलाश करने लगे तब आरोपी ने बच्चे के सिर को कपड़ा में लपेटकर बोइदहा नाला के पास ले जाकर गड्ढा खोदकर दफन कर दिया और उपर से मिटटी पाटकर 04-05 पत्थर उपर में रख दिया और लोहे की छूरी को अपने घर में छुपा दिया। पुलिस ने शव उत्खनन की कार्यवाही के लिये कार्यपालिक दण्डाधिकारी कुसमी को पत्राचार किया। तहसीलदार सामरी की उपस्थिति में शव उत्खनन की कार्यवाही की गई।जांच के दौरान आरोपी राजू कोरवा की निशानदेही पर पुलिस ने गुमशुदा बालक अजय नगेसिया के सिर को ग्राम बोइदहा नाला के पास करीब दो फीट गहरे गड्ढे से बरामद किया। आरोपी के द्वारा सिर कपड़े में लपेटकर जमीन में दफन किया गया था, जिसे मिट्टी हटाकर निकाला गया। सिर की स्थिति देखकर केवल खोपड़ी और अस्थि-अवशेष ही शेष थे। पुलिस ने मौके पर शव अवशेष जब्त कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हत्या का हथियार लोहे की छुरी उसके घर से बरामद की गई। प्रारंभिक साक्ष्य और आरोपी के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर थाना सामरीपाठ पुलिस ने आरोपी राजू कोरवा पिता लेब्दू कोरवा (40 वर्ष), जाति पहाड़ी कोरवा, निवासी कटईडीह, थाना चांदो के विरुद्ध धारा 302 (हत्या), 201 (साक्ष्य मिटाने) भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध सिद्ध पाया। पुलिस ने आरोपी को 16 जुलाई 2025 को विधिवत गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में लिया। कार्यवाही में शामिल रहे थाना प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह, स.उ.नि. आनन्द मसीह तिर्की, प्र. आर. 681 संजय साहू, आर. 184 आदित्य कुजुर, आर. 928 संतोष यादव, आर. 110 अमित लकड़ा, आर. 691 ओमकार रजक का सराहनीय योगदान रहा।

बिजली दरों में बढ़ोत्तरी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम सौपा ज्ञापन

लखनपुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के द्वारा 20 माह में बिजली की दरों में प्रति यूनिट 80 पैसों की बढ़ोतरी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर के द्वारा देव तालाब के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल के नाम के नाम जे ई सचिन कुजूर को ज्ञापन सोपा है और भाजपा सरकार द्वारा बढ़ाए गए बिजली बिल दरों को वापस लेने मांग की गई। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के आह्वान और जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के द्वारा 16 जुलाई दिल बुधवार की दोपहर लगभग 2:00 बजे छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार के द्वारा 20 माह में बिजली की दरों में प्रति यूनिट 80 पैसे की बढ़ोतरिं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई रैली के माध्यम से सहायक अभियंता कार्यालय पहुंच के सचिन कुजूर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा गया है। भाजपा सरकार द्वारा बढ़ाए गए बिजली बिल दरों को वापस लेने मांग किया गया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस प्रदेश सदस्य विक्रमादित्य सिंहदेव,पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अमित सिंहदेव, कांग्रेस नेता रमेश जायसवाल दिनेश तायल,शराफत अली, इरशाद खान,मंडल अध्यक्ष जगरोपण यादव,मुकेश सिंह,सूरज सिंह, अजर राम चौधरी जसीमुद्दीन खान, वीरेंद्र सहदेव भानु राजवाड़े, मुजीब खान, राम सुजान द्विवेदी, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

CMYK

जनसरोकार मामले में दैनिक घटती-घटना की खबर का फिर हुआ असर

कोरिया जिले की पुलिस हुई चुस्त

लगातार चोरी की घटनाओं को लेकर शहरवासियों के आंदोलन की संभावनाओं को लेकर प्रकाशित खबर पर पुलिस कप्तान ने लिया संज्ञान

रात्रि गश्त और जगह जगह बैरिकेटिंग लगाकर शहर सुरक्षा के लिए तैनात किए गए पुलिसकर्मी

कोरिया जिले में लगातार घट रही चोरी की घटनाओं को लेकर दैनिक घटती-घटना ने लगातार प्रकाशित की थी खबर,जिले की पुलिसिंग पर उठाया था सवाल...

-रवि सिंह-
कोरिया,16 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना की खबर का एक बार फिर से असर देखने में सामने आया है जहां कोरिया जिले के पुलिस कप्तान ने जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में लगातार घट रही चोरी की घटनाओं के मामले में दैनिक घटती घटना की उस खबर पर संज्ञान लिया है जिसमें शहरवासियों के द्वारा आंदोलन किए जाने का उल्लेख था और असुरक्षा भावना की वजह से शहरवासी कभी भी शहर बंद करने निर्णय लेने तैयारी कर रहे थे। दैनिक घटती घटना ने इस मामले में अपनी जनसरोकार वाले कर्तव्य को महत्वपूर्ण समझा और लगातार जिला मुख्यालय सहित जिले में घट रही चोरी की घटना पर जिले की पुलिसिंग पर सवाल उठाया जिसके बाद जिले के कप्तान ने जिला मुख्यालय सहित अन्य जगहों पर रात्रि गश्त सहित जगह जगह रात में बैरिकेटिंग कर जांच पड़ताल और आने जाने वालों से पूछताछ का निर्णय लिया और उसे अमल में भी तत्काल लाने आदेश जारी किया।

बता दें कि अब जिले की पुलिस चुस्त नजर आने लगी है और रात में जगह जगह बैरीकेट लगाकर पुलिस आने जाने वालों से पूछताछ कर रही है। जिले में चोरी की घटनाएं जो थमने का नाम नहीं ले रहीं थीं और लगातार ऐसे वारदातों की खबरें सामने आ रहीं थीं जिसमें चोर भी पुलिस की पकड़ से अब तक बाहर हैं ऐसे में पुलिस कप्तान का गश्त करने के लिए बैरिकेटिंग करने के लिए आने जाने वालों से रात में पूछताछ करके का निर्णय एक अच्छी पहल मानी जा रही है और लोगों का मानना है कि अब कम से कम चोरों को पकड़े जाने का भय होगा और शायद चोरी की घटनाओं पर लगाम लग सकेगा। हाल फिलहाल में घटी कई चोरी की घटनाओं के बाद शहर सहित अन्य जगह के लोग जहां भयभीत थे वहीं वह शाम होते ही अपने आशियाने की सुरक्षा को लेकर अपनी कीमती समानों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हो जाते थे,उनकी चिंता ही अब आंदोलन और विरोध प्रदर्शन का रूप लेने जा रही थी जिसके अंतर्गत शहर बंद करने की तैयारी आम शहरवासी करने वाले थे जिसके आधार पर दैनिक घटती घटना ने खबर का भी प्रकाशन किया था। चोरी की पिछली घटी घटनाओं को लेकर जिला मुख्यालय के लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी जरूरी है क्योंकि चोरों का पकड़ा जाना उनकी पहचान सामने आना ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने जरूरी होती है। जिले के लोग पुलिस कप्तान के इस निर्णय से बेहद प्रसन्न हैं जरा निश्चित हुए हैं जिसमें रात्रि गश्त और बैरिकेटिंग की व्यवस्था किए जाने का निर्णय उन्होंने लिया है वहीं लोगों की मांग है कि पुरानी चोरी की घटनाओं की गुत्थी भी पुलिस जल्द सुलझाए और प्रभावित व्यक्ति को उसका चोरी गया सामान वापस दिलाएं।

क्या सच में बैकुंठपुर के चोर तभी पकड़े जाएंगे जब जिले से बाहर भेजे गए पुलिसकर्मी फिर से जिले में वापस आएंगे?

कोरिया पुलिस की बेहतर कार्यप्रणाली प्रदेश में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर सकती है...

कोरिया जिले की पुलिस भले ही खबरों को संज्ञान में लेकर अब बढ़ते चोरी के मामलों में रोक लगाने मशक्कत करने निकल चुकी है बड़े प्रयास वह जारी कर चुकी है लेकिन कोरिया पुलिस यदि चाह ले वह अपनी बेहतर कार्यप्रणाली से प्रदेश में बेहतर पुलिसिंग मामले में एक नया कीर्तिमान भी स्थापित कर सकती है,बता दें कि कोरिया जिले के पुलिस विभाग में ऐसे पुलिसकर्मियों की आज भी कमी नहीं है जो किसी भी मामले को अपराध के न सुलझा सकें,जरूरत है कि ऐसे पुलिसकर्मियों की पहचान की जाए और उन्हें लगातार नई चुनौती देकर उन चुनौतियों से समाधान निकालने तत्पर रखा जाए। जिले के ऐसे कई पुलिसकर्मी हैं जो काफी अनुभवी हैं और जिनका अपना एक गुप्तचर समूह भी है जो मामलों में गोपनीय जानकारी उन्हें प्रदान कर पुलिस की मदद कर सकता है।

सत्ता के गलत दबाव के विरुद्ध जाकर पुलिस अपराध को कर सकती है खत्म

जिले में लगातार घट रही चोरी की ही घटनाएं मात्र ऐसे अपराध नहीं है जिसमें जिले की पुलिस अभी तक असफल है या जिन मामलों में चोरों तक पुलिस नहीं पहुंच पाई है,जिले में अन्य कई और ऐसे अपराध हो रहे हैं जिन पर रोक लगाना जरूरी है,जिले में जुआ,नशे की अवैध कारोबार सहित कोयला चोरी का भी अवैध कारोबार संचालित होता है जो अब तक रोका नहीं जा सका है,बता दें कि कोयला नशीली दवाओं का कारोबार और जुए का कारोबार लगातार जारी रहने वाला कारोबार जिले में आज भी संचालित होता है जिसकी खबरें सामने आती रहती हैं, जिले की पुलिस और पुलिस कप्तान चाह लें तो यह अपराध भी जिले से पूरी तरह खत्म हो सकते हैं और इसके लिए बेहतर इक्षाशक्ति की जरूरत है और राजनीतिक दबावों से इन मामलों में दूरी इनकी रोक के लिए आवश्यक होगी।

कोई भी अधिकारी चार पुलिस थाने वाले जिले में अपनी बेहतर कार्यप्रणाली से बेहतर पुलिसिंग स्थापित कर सकता है...

कोरिया जिला कुल चार पुलिस थानों का ही जिला रह चुका है,एक जिले के हिसाब से मिलने वाली सभी सुविधाओं से कोरिया जिला भी परिपूर्ण है ऐसे में केवल बेहतर कार्यप्रणाली मात्र से कोई भी अधिकारी कोरिया जिले में बेहतर पुलिसिंग स्थापित कर सकता है।

संलगिनकरण के आदेश का नहीं हो रहा विकास खंड में पालन

आदेश के बाद भी कर्मचारियों को नहीं भेजा जा रहा है मूल कार्यालय में

-संवाददाता-
खड़गवां,16 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

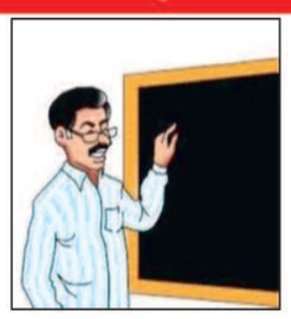

छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा संलगनिकरण पूर्णतः समाप्त कर दिया गया है सरकार के आदेश का पालन खड़गवां विकासखंड में नहीं किया जा रहा है छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा स्थानांतरण करने का आदेश जारी किया है एवं साथ ही कहा है कि संलगनिकरण पूर्णतः समाप्त किया जाए जो अपने मूल कार्यालयों से दूसरे कार्यालयो में संलग्न है उन कर्मचारियों को तत्काल मूल कार्यालय भेजा जाए जून माह से संलगनिकरण का आदेश समाप्त माना जाए लेकिन विकासखंड खड़गवां में छत्तीसगढ़ सरकार के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है।

जबकि शिकायतकर्ता ने शिकायत किया गया था कि शिक्षा विभाग के कर्मचारी अन्य कार्यालयों में संलग्न किए गए हैं। जो कि राजस्व विभाग में ऐसे कर्मचारियों को मूल विभाग भेजा जाए शिकायत के बाद विकासखंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा पत्र जारी कर शिक्षा विभाग के संलग्न कर्मचारियों को मूल पद शिक्षा विभाग में वापस किया जाए मगर आज तक एक माह बाद भी कर्मचारियों को वापस नहीं भेजा गया है। छत्तीसगढ़ शासन का आदेश भी जारी है कि संलगनिकरण पूर्णतः खत्म करते हुए विकासखंड खड़गवां के अधिकारियों के द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के आदेश की अवहेलना की जा रही है।

जिससे शिक्षा विभाग में पदस्थ कर्मचारियों के राजस्व विभाग में संलग्न होने के कारण कार्यालय एवं शालाओं में कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

कोरिया बना प्रदेश का पहला जिला जिसने बिहान योजना अंतर्गत सीआईएफ का 100 प्रतिशत वितरण किया

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,16 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बिहान योजना में कोरिया जिले ने एक और उपलब्धि हासिल की है। सामुदायिक निवेश कोष (सीआईएफ) के शत-प्रतिशत वितरण के साथ कोरिया प्रदेश का पहला जिला बन गया है जिसने निर्धारित लक्ष्य को तय समय-सीमा से पूर्व ही पूर्ण किया।

2.55 करोड़ रुपये की सहायता मात्र दो माह में वितरित- वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार द्वारा कोरिया जिले को 425 स्व-सहायता समूहों को 60,000 प्रति समूह की दर से कुल 2.55 करोड़ सीआईएफ वितरण का लक्ष्य दिया गया था। इस राशि को जिला और ब्लॉक स्तर की टीमों ने केवल दो माह में ही पूर्ण रूप से वितरित कर दिया।

जिले के अधिकतर समूह कृषि कार्यों से जुड़े हैं और जून-जुलाई के दौरान बीज,खाद, मजदूरी जैसी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उन्हें धन की आवश्यकता होती है। इसे ध्यान में रखते हुए मई माह में ही राशि वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई, जिससे लगभग 25-50 महिलाओं को उनकी आजीविका गतिविधियों के लिए समय पर वित्तीय सहायता मिल सकी। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा कि यह उपलब्धि बिहान टीम द्वारा समर्पण पूर्वक किए गए कार्यों का परिणाम है। वहीं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा निश्चित ही कलेक्टर कोरिया के मार्गदर्शन में कार्य किया जा रहा और बिहान टीम इस उपलब्धि की हकदार हैं।

महाकाल भक्त मंडल द्वारा शिव महापुराण कराने के नाम से भक्तों से करोड़ो रुपए का चंदा लेकर किया जा रहा दुर्व्यवहार

-राजा मुखर्जी-
कोरबा,16 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

महाकाल भक्त मंडल द्वारा शिव महापुराण कराने के नाम से करोड़ो रुपए का चंदा लेने के बाद उक्त धार्मिक आयोजन को अपनी निजी जागिर बना लिया गया है। पहले तो समिति के लोग यह कहते हुये की शिव महापुराण सार्वजनिक रुप से आयोजित किया जायेगा और आप सभी इसमे आमंत्रित हैं जिसके लिए कई बड़ी बड़ी बाते कही गई और जब भक्तो से आस्था के नाम पर करोड़ो रुपए का चंदा वसूल कर लिया गया तब अचानक मीरा रिसॉर्ट में उक्त आयोजन कर इसे अपना निजी बना लिया गया। वही भक्तो से चंदा लिए जाकर उन्हें पास देकर उन्हें महापुराण कथा स्थल मे जाने नही दिया जा रहा जिससे भक्तजन परेशानियों का सामना करने के साथ आपने आप को ठगा महसूस कर रहे है। वही जब कार्यक्रम स्थल के बाहर का निरीक्षण किया गया तो यहां का हालात देखकर ऐसा लगा,मानो अंग्रेज शासन आ गया हो, यहां आम लोगो के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा था, लोगो के साथ धक्का-मुक्की किया गया और जब इन सबका वीडियो बनाया जा रहा था तब कुछ लोगो ने मोबाइल लुटने का प्रयास किया और कहां की यहां का वीडियो मत बनाओ जिससे उनके द्वारा किया जा रहा दूरव्यवहार की जानकारी आम जनता तक ना पहुंच जाये। लोग तो सिर्फ शिव महापुराण सुनने आये थे, फिर उनके साथ ऐसा दुर्व्यवहार क्यो किया गया। पहले तो चंदा वसूल कर ठगा गया, फिर बाद में बदसलूकी किया गया,यह तो किसी तानाशाही से कम नही हैं, इस मामले पर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को आयोजन समिति के उपर कार्यवाही करना चाहिए। साथ ही जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को शिव महापुराण के नाम पर महाकाल भक्त मंडल द्वारा वसूले गये करोड़ो रुपये के चंदा की जांच करना चाहिए। आय-व्यय का जांच कर लोगो के पैसो को वापस कराना चाहिए ताकि जिले मे आस्था के नाम पर करोड़ो रुपए का ठगी ना हो जाये।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों से की बात और धरना हुआ समाप्त

क्या जिलाध्यक्ष की समझाइश के बाद सब कुछ हो जाएगा ठीक?

-संवाददाता-
कोरिया,16 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी से स्थानीय निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के द्वारा कैलाशपुर में किये जा रहे विरोध एवं धरना प्रदर्शन मामले का आखिरकार पटाक्षेप हो ही गया। इस सबन्ध में मिली जानकारी अनुसार भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी कल रायपुर से लौटते ही शाम के वक्त धरना स्थल पर पहुचे और जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष व सदस्यों सहित पदाधिकारियों से बात कर आवश्यक समझाइश दी जिसके बाद सभी पंचायत प्रतिनिधि व पदाधिकारियों ने धरना समाप्त कर दिया।

क्या गिले शिकवे हो गए दूर?

देवेंद्र तिवारी के समझाइश के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त हो गया टेंट पंडाल सब उखाड़ दिए गए, सूत्रों के हवाले खबर है कि जो नाराजगी थी उसके दूर होने की सम्भवना जताई गई है। बाकी आने वाले वक्त में ही पता चलेगा की वाकई गिले शिकवे दूर हुए या नही। बहारहाल जो भी पर भारतीय जनता पार्टी के हिसाब से यह खबर जरूर राहत प्रदान करने वाली है क्योंकि,अंदरूनी कलह खुल कर बाहर आने से जहां आम जन मानस में कई सवाल खड़े हो रहे थे फिलहाल उन पर विराम लग गया है।

एटीएम में काला पट्टी लगाकर ठगी करने वाला आरोपी को हुआ

-संवाददाता-
कोरबा, 16 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

एटीएम मशीन से पैसा निकालने आए लोगों को शातिराना तरीके से लूटने वाले एक कथित आरोपी को डायल 112 की टीम ने धर दबोचा है। पकड़ा गया कथित आरोपी उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़, अचलपुर के रहने वाले बताया जा रहा हैं। पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार उक्त कथित आरोपी युवक बालको परसाभाटा स्थित हिटाची एटीएम को निशाना बना रहे थे। उनका तरीका बेहद चालाकी भरा था। वे एटीएम मशीन के कैश आउटलेटपर काली पट्टी चिपका देते थे, जिससे ग्राहक द्वारा निकाला गया पैसा बाहर नहीं आता था। ग्राहक यह समझता था कि एटीएम में खराबी है जिससे पैसा नही निकला । जैसे ही वह एटीएम से बाहर निकलता, वे पट्टी हटाकर पैसे लेकर मौके से फरार हो जाते थे। इस तरह कई लोग बैंक के चक्कर काटते रह जाते थे, जबकि वे वारदात कर चुके होते। घटना की सूचना डायल 112 को दी गई थी। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरक्षक हिमाचल सिंह कंवर और वाहन चालक सत्येंद्र सिंह गेंदले मौके पर पहुंचे और दो कथित आरोपी में से एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ा, एक फिलहाल फरार बताया जा रहा हैं। एक कथित आरोपी को पकड़ बालको थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि एटीएम से पैसे निकालते समय यदि कोई असामान्य गतिविधि नजर आए या मशीन में कोई रुकावट हो, तो तुरंत पुलिस या बैंक को सूचित करें।

ताली और थाली के माध्यम से किया गया सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन

कोरोना योद्धाओं का कर रही सरकार अपमान,भूल गई वादे...

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सरकार पर लगाया आरोप

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

नियमितीकरण,जॉब सुरक्षा,ग्रेड पे ,अनुकंपा नियुक्ति,मेडिकल बीमा,27 प्रतिशत वेतन वृद्धि जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं की मांग कर रहे छत्तीसगढ़ प्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत 16 हज़ार कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन आज सातवें दिन भी जारी रहा। विरोध प्रदर्शन की इस कड़ी में आज सभी 33 जिला मुख्यालय में ताली और थाली रैली के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम अपनी 10 सूत्री मांगों का ज्ञापन जिला कलेक्टर को कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए सौंपा,और कहा है कि, यदि उनकी मांगे जल्द ही नहीं पूरी की जाती हैं तो प्रदेश में एनएचएम के 16 हज़ार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी किसी बड़े अनिश्चितकालीन आंदोलन पर जाने को विवश हो सकते हैं जिस कारण प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था में जो असुविधा होगी उसके लिए शासन -प्रशासन स्वयं जिम्मेदार होगा। सूरजपुर के जिला अध्यक्ष बृजलाल पटेल ने बताया कि जिले में 640 के करीब एन एच एम कर्मचारी कार्यरत हैं यह कर्मचारी पिछले 20 वर्षों से अपनी सेवा शर्तों में सुधार,नियमितीकरण,अपनी नौकरी की सुरक्षा, समान काम समान वेतन, जैसी चाह लिए लगातार पिछली कई सरकारों के कार्यकाल में धरना प्रदर्शन आंदोलन अनुनय निवेदन ज्ञापन देते रहे हैं इस सरकार के कार्यकाल में भी मोदी की गारंटी के नाम से हमारी समस्याओं के समाधान का वादा किया गया है परंतु आज पर्यंत इस संबंध में किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई जबकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने लगभग 100 से अधिक बार ज्ञापन मंत्रियों, विधायकों, सांसदों को दिया है इसके अलावा कई उच्च अधिकारियों से भी भेंट की गई है ,परंतु परिणाम शून्य ही रहा जिसके कारण 10 जुलाई से लेकर 17 जुलाई तक या प्रदर्शन चरणबद्ध रूप से जारी है। कर्मचारियों ने बताया कि, वह ताली और थाली करने पर आज इसलिए मजबूर हैं क्योंकि कोरोना महामारी में प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमें कोरोना वॉरियर का दर्जा देकर पूरे देश भर से हमारे लिए ताली और थाली बजवाई थी परंतु आज छत्तीसगढ़ प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होने के बाद भी हम कोरोना योद्धा जिनके लिए देशभर में तालियां थाली बजी,20 वर्षों से पीड़ित हैं जिसके कारण आज लाचार होकर अपने लिए ताली और थाली बजाने पर विवश हो चुके हैं । आंदोलन की कड़ी में 10 तारीख को सभी विधायकों को ज्ञापन सौपा गया,11 तारीख को भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष को ज्ञापन दिया गया 12 से 15 तक काली पट्टी लगाकर कार्य किया गया एवं 16 जुलाई को जिला स्तरीय पर एक दिवसीय धरना रैली की गई जबकि 17 जुलाई को पूरे प्रदेश के यह कर्मचारी रायपुर में राजधानी धरना स्थल पर एकत्रित होकर विधानसभा घेराव के लिए निकलेंगे ।

इस अवसर पर बृजलाल पटेल,तोपान सिंह दायमा,विवेक सदन नाविक,डॉ.अनुराग सिंह,संदीप नामदेव, लव सिंह मराबी सखन आयाम,श्रीमति कंचन जायसवाल, राजेश द्विवेदी,बृजेश कुशवाहा,कुलदीप पैकरा,गिरजा मानिक पुरी,कुंवर प्रताप,रामकुमार सिदार, तोयात्मा रायल,कमलेश सोनी,उत्तरा कुमार,समय लाल,रविकरण सिंह, डॉ.कुलदीप दुबे,ओमप्रकाश राजवाडे, अमित वर्मा,सरोज साहू,नंदकिशोर वर्मा एवं समस्त एनएचएम अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे

हर्राटिकरा के खेलों इंडिया सेंटर में फुटबॉल अस्मिता लीग का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

छ.ग. शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ रायपुर द्वारा निर्देशित तथा कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के मागदर्शन में खेलों इंडिया सेंटर हर्राटिकरा में अस्मिता सिटी लीग का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उदेश्य महिलाओं के बीच खेलों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान कराना व महिलाओं को प्रेरित करना और उभरती हुई प्रतिभाओं को बढ़ावा देना इस उददेश्य से खेलों इंडिया सेंटर हर्राटिकरा में फुटबॉल अस्मिता सिटी लीग का आयोजन किया गया। जिसमें शिवपुर, उमेश्वरपुर, खेलों इंडिया सेंटर हर्राटिकरा, खेलों इंडिया सेंटर अम्बिकापुर, एवं कोरिया अम्झर के कुल 05 टीमो ने इस आयोजन में भाग लिया, जिसमें विजेता शिवनगर उपविजेता खेलों इंडिया सेंटर हर्राटिकरा एवं तृतीय स्थान खेलों इंडिया सेंटर अम्बिकापुर का रहा, आयोजन में अतिथि के रूप में डीप्टी कलेक्टर सूरजपुर श्री सुनील अग्रवाल, जिला खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय एवं सरपंच प्रतिनिधि सुन्दर दास,सचिव धनेश्वर प्रजापति, उप सरपंच संजय राजवाड़े, के हाथों से विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

भारतीय वायु सेना अग्निपथ योजना अंतर्गत अग्निवीर वायु भर्ती हेतु अधिसूचना जारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय वायु सेना अग्निपथ योजना के अंतर्गत अग्निवीर वायु भर्ती वर्ष 2026 हेतु अधिसूचना जारी कर दी गई है। अग्निवीर वायु भर्ती हेतु अविवाहित भारतीय पुरुष और महिला आवेदन कर सकते है। आवेदन ऑनलाइन पोर्टल साइट https://agnipathvayu.cdac.in पर दिनांक 11 जुलाई को 11:00 बजे से 31 जुलाई को रात के 11:00 बजे तक आवेदन कर सकते है।

शा. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था शिवनंदनपुर में एससीव्हीटी व्यवसाय स्टेनो हिन्दी के लिए ऑनलाइन आवेदन पुनः आमंत्रित

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

शा. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था शिवनंदनपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में एससीव्हीटी व्यवसाय स्टेनो हिन्दी में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 16 जुलाई फिर से शुरू हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 23 जुलाई 2025 रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकते है। आवेदन केवल वेबसाइट cgiti.admission.nic.in के माध्यम से ही किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025: प्रतिभाशाली बच्चों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2025 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्यभर के नागरिकों, संस्थाओं, अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के 5 से 18 वर्ष की आयु वाले उन बच्चों को इस सम्मान के लिए 31 जुलाई 2025 तक आवेदन कराएं, जिन्होंने बहादुरी, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला-संस्कृति और विज्ञान-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में असाधारण प्रदर्शन किया है।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने निकाली रैली,सौपा ज्ञापन

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान पर आज सूरजपुर में भी कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी लागू करने के संबंध में ध्यानाकर्षण रैली निकाल ज्ञापन सौंपा। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आव्हान पर 16 जुलाई को प्रदेशभर में एकजुट होकर सभी कर्मचारी-अधिकारी अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन केंद्र सरकार की गारंटी के अनुरूप सुविधाएं लागू करवाने और राज्य सरकार से लंबित मांगों के जल्द निराकरण की मांग को लेकर किया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न पेंशनर्स संगठनों ने भी फेडरेशन के आंदोलन को पूर्ण समर्थन कर आंदोलन में शामिल हुए। फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह ने बताया कि यह प्रदर्शन पूर्णतः शांतिपूर्ण व लोकतांत्रिक ढंग से आयोजित किया गया। सूरजपुर के सुदूर अंचलों तक सभी कर्मचारी-अधिकारी रैली निकालकर अपनी आवाज बुलंद किये। फेडरेशन के सभी संगठनों, पदाधिकारियों व कर्मचारियों से इस ऐतिहासिक आंदोलन में भाग लेकर अपने कार्यक्रम को सफल बनाया। फेडरेशन की 11 सूत्रीय मांगें हैं। इनमें केंद्र सरकार के समान कर्मचारियों व पेंशनरों को देय तिथि से महंगाई भत्ता लागू किया जाए। डीए एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित की जाए। सभी कर्मचारियों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान दिया जाए। वेतन विसंगतियों को दूर करने पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए। पुरानी पेंशन योजना हेतु नियुक्ति तिथि से गणना की बहाली पर गंभीर पहल हो । सहायक शिक्षकों व सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को तृतीय समयमान वेतनमान दिया जाए।

किसान 31 जुलाई तक अपनी फसलों का करा सकते हैं बीमा

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 जुलाई 2025(घटती-घटना)।

खरीफ 2025 सीजन के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, असमय वर्षा,सूखा,ओलावृष्टि,कीट प्रकोप और अन्य जोखिमों से फसल को होने वाली क्षति के विरूद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय को स्थिरता प्रदान करना और खेती को एक सुरक्षित व लाभकारी व्यवसाय बनाना है। इस योजना के अंतर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। ऋणी कृषकों का बीमा संबंधित वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वचलित रूप से कर दिया जायेगा। इसके लिए किसान को नजदीकी ग्राहक सेवा केन्द्र (सीएससी) में जाकर बीमा कराना आवश्यक होगा। जिसके लिए कृषक अपने गांव के कृषक मित्र से संपर्क कर सकते हैं।

**तहसीलदार शंकरगढ़
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)**

मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भः- जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज तहसील-शंकरगढ़ प.ह.न.-00014 शंकरगढ ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांकः-MD202425650503300019

ईश्तहार

तहसील शंकरगढ़ के प.ह.न. 00014 के अंतर्गत ग्राम शंकरगढ के वर्तमान भूमिस्वामी बृन्दासिंह पिता/पति-पि. चन्द्रिकासिंह पता-सा.अम्बिकापुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 41/3(2.0230) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता अविनाश पिता/पति-बृन्दा पता,अमित पिता/पति-बृन्दा पता के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधो हस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 31/07/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार शंकरगढ़ पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/07/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
आइ.सी.यादव
सील तहसील शंकरगढ़ बलरामपुर रामानुजगंज (छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क्र0.../अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण हर्षप्रीत सिंह टुटेजा, गुरप्रीत सिंह टुटेजा आ.रविन्द्र प्रताप सिंह, जाति सिक्ख,निवासी बाबूपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदकगण द्वारा अनावेदक रेखा सिंह पति दिनेश सिंह,जाति क्षत्रिय,निवासी देवनंदन नगर फेस-2.सीपत रोड,चांटीडीह बालाजी प्रोविजन के पास, बिलासपुर, तह. बिलासपुर छ0ग0, पावर होल्डर दिनेश कुमार सिंह पिता स्व. जगदीश सिंह,जाति क्षत्रिय, निवासी देवनंदन नगर फेस-2, सीपत रोड, चांटीडीह बालाजी प्रोविजन के पास, बिलासपुर, तह. बिलासपुर छ0ग0 के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 09 मोहल्ला बाबूपारा स्थित नजूल प्लॉट नं. 3504/3 में से रकबा 1742.4 व0फी0 भूमि को पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 01.07.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में आवेदकगण द्वारा स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र,अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/08/2025 तक इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 11/ 07 / 2025 को मेरे न्यायालयीन गुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया।

सील नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क्र0../अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण हर्षप्रीत सिंह टुटेजा, गुरप्रीत सिंह टुटेजा आ. रविन्द्र प्रताप सिंह, जाति सिक्ख, निवासी बाबूपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण द्वारा अनावेदक रेखा सिंह पति दिनेश सिंह, जाति क्षत्रिय, निवासी देवनंदन नगर फेस-2. सीपत रोड, चांटीडीह बालाजी प्रोविजन के पास, बिलासपुर, तह. बिलासपुर छ0ग0, पावर होल्डर- दिनेश कुमार सिंह पिता स्वः जगदीश सिंह, जाति क्षत्रिय, निवासी देवनंदन नगर फेस-2, सीपत रोड़, चांटीडीह बालाजी प्रोविजन के पास, बिलासपुर, तह. बिलासपुर छ0ग0 के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 09 मोहल्ला बाबूपारा स्थित नजूल प्लॉट नं. 3503 रकबा 2178 वर्गफीट एवं प्लॉट नं. 3504/4 में से रकबा 7840.8 व0फी0 कुल 10018.8 वर्गफीट भूमि को पंजीकृत विक्रय पत्र दिनाक 01.07.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में आवेदकगण द्वारा स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/08/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/ 07 / 2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया।

सील नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202507020700015

विषयः- ब-121मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः- 2024-2025

हर्राटिकरा प.ह.न. 00024 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार-रोहित कुमार मिश्रा,
अनावेदक पक्षकार -छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक रोहित कुमार मिश्रा आ0 अतुल कुमार मिश्रा व अन्य, निवासी ग्राम हर्राटिकरा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया है कि आवेदकगण के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम हर्राटिकरा स्थित खसरा नंबर 502/52, 502/50, 502/51 रकबा क्रमश 0.047, 0.048, 0.048 हे0 भूमि का बंटवारा हो चुका है, किन्तु उक्त भूमि का नक्शा बंटवारा अनुसार नही कटा है, जिस कारण नक्शा में त्रुटि हो गया है। आवेदकगण के द्वारा आवेदित भूमि के नक्शा में सुधार हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08.08.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने नहीं किया जायेगा। अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/07/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
सील तहसील- अंबिकापुर

CMYK

आईसीसी रैंकिंग में भयंकर उठापटक

» नंबर वन का बल्लेबाज फिर से बदला

नई दिल्ली,16 जुलाई 2025। भारत बनाम इंग्लैंड तीसरा टेस्ट खत्म होने के बाद आईसीसी ने नई रैंकिंग जारी कर दी है। इस बार भी इसमें जबरदस्त बदलाव नजर आ रहे हैं। पिछले सप्ताह ही टेस्ट का नया नंबर एक बल्लेबाज मिला था, जो अब फिर से बदल गया है। इतना ही नहीं, खास बात ये है कि पूरी टॉप 10 की रैंकिंग में परिवर्तन हो गए हैं। इस बीच न्यूजीलैंड के कप्तान रहे केन विलियमसन बिना खेले ही एक स्थान का फायदा मिल गया है।

जो रूट फिर से बने टेस्ट के नंबर एक बल्लेबाज

आईसीसी की ओर से जो नई रैंकिंग जारी की गई है,उसमें जो रूट एक बार फिर से नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। जो रूट ने पिछले सप्ताह ही इस कुर्सी को गंवाया था, लेकिन लॉर्ड्स टेस्ट में एक शतक लगाकर वे फिर से नंबर एक बन गए हैं। जो रूट की रैंकिंग बढ़कर अब 888 की हो गई है। इस बीच केन विलियमसन अभी टेस्ट से दूर हैं, इसके बाद भी उन्हें एक स्थान का फायदा हो गया है। उनकी रेटिंग बढ़कर अब 867 की हो गई है। वे अब तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हैरी ब्रूक सीधे नंबर तीन पर खिसके

पिछले सप्ताह ही टेस्ट के नंबर एक बल्लेबाज बनने वाले हैरी ब्रूक ना केवल इस कुर्सी से हट गए हैं, बल्कि वे सीधे तीसरे स्थान पर चले गए हैं। उन्हें इस बार एक साथ दो स्थानों का नुकसान हुआ है। उनकी रेटिंग इस वक्त 862 की चल रही है। स्टीव स्मिथ की बात करें तो उन्हें भी इस बार एक स्थान का फायदा हुआ है। वे अब 816 की रेटिंग के साथ नंबर चार पर चले गए हैं।

यशस्वी जायसवाल को भी हल्का सा नुकसान

इस बीच भारत के यशस्वी जायसवाल की बात की जाए तो वे अब एक स्थान नीचे यानी नंबर 5 पर चले गए हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। जायसवाल की रेटिंग मौजूदा वक्त में 801 की चल रही है। साउथ अफ्रीका के टेम्बा बावुमा भी बिना कोई मैच खेले एक स्थान आगे चले गए हैं। उनकी रेटिंग 790 है और वे नंबर 6 पर मौजूद हैं।

ऋषभ पंत और शुभमन गिल को भी नुकसान

श्रीलंका के कामेंदु मेंडिस की बात की जाए तो उन्हें दो स्थानों का फायदा हुआ है। वे अब 781 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर पहुंच गए हैं। भारत के ऋषभ पंत को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है, वे 779 की रेटिंग के साथ नंबर 8 पर चले गए हैं। शुभमन गिल को तो तीन स्थानों का नुकसान एक साथ हो गया है। वे अब 765 की रेटिंग के साथ सीधे नंबर 9 पर चले गए हैं। हालांकि इंग्लैंड के जेमि स्मिथ अभी नंबर दस पर जमे हुए हैं। उनकी रेटिंग 752 की है।

जसप्रीत बुमराह कितने और मैच खेलेंगे

नई दिल्ली,16 जुलाई 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज जारी है। अब तक तीन मुकाबले हो चुके हैं और दो बाकी हैं। इंग्लैंड ने दो और भरत ने एक मैच अभी तक जीता है। इस बीच सीरीज का फैसला बचे हुए दो मैचों के बाद ही होगा, लेकिन मामला फंसा है, जसप्रीत बुमराह को लेकर। ये तो पहले से ही तय था कि जसप्रीत बुमराह पांच में से तीन ही मैच खेलेंगे और दो में वे आराम करेंगे। ऐसा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत किया जा रहा है। अब सवाल ये उभकर सामने आ रहा है कि बचे हुए दो में से कौन सा मैच बुमराह खेलेंगे और कौन सा मिस करेंगे।

चौथे और आखिरी टेस्ट के बीच काफी कम दिन का अंतर

भारत बनाम इंग्लैंड चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। तीसरे और चौथे मैच में भले ही अंतर हो, लेकिन जैसे ही चौथा मुकाबला खत्म होगा, पांचवां कुछ ही दिन बाद शुरू हो जाएगा। अगर चौथा मैच पूरे पांच दिन चला तो 27 जुलाई को खत्म होगा और इसके तीन ही दिन बाद यानी 31 जुलाई से पांचवां और आखिरी मैच शुरू हो जाएगा। इसका मतलब ये हुआ कि बुमराह चौथे और पांचवें मुकाबले में से एक ही खेल पाएंगे। अब ये बुमराह, कप्तान शुभमन गिल और टीम मैनेजमेंट को तय करना है कि उन्हें कौन सा मुकाबला खेलना है।

संक्षिप्त खेल की खबरें

27 पर ऑलआउट होने के बाद वेस्टइंडीज में मचा हड़कंप

» बोर्ड ने बुलाई आपात बैठक

» कई दिग्गज खिलाड़ियों से भी मांगी मदद

नई दिल्ली,16 जुलाई 2025। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में दूसरे सबसे कम स्कोर (27 रन) पर ऑलआउट होने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट में भूचाल आ गया है जिसकी वजह से क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक आपात बैठक में दिग्गज खिलाड़ी ब्रायन लारा, क्लाइव लॉयड और विव रिचर्ड्स को शामिल होने के लिए बुलाया है ताकि ये तीनों खिलाड़ी खिलाड़ी शिवनारायण चंद्रपॉल, डेसमंड हेन्स और इयान ब्रैडशॉ के साथ क्रिकेट रणनीति और टीम के हालिया बेहद निराशाजनक प्रदर्शन का आकलन करें। वेस्टइंडीज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर न सिर्फ 3-0 से सीरीज में मिली करारी हार मिली,बल्कि हर मैच तीन दिन के अंदर ही खत्म हो गया। सबसे खराब प्रदर्शन तीसरे और आखिरी टेस्ट में आया, जब वे 14.3 ओवर में सिर्फ 27 रन पर ऑलआउट हो गए. जो कि टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे छोटा स्कोर है और 1955 में न्यूजीलैंड द्वारा बनाए गए 26 रन से केवल एक रन ज्यादा था।

सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन ने बनाई प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह

नई दिल्ली,16 जुलाई 2025। जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट से भारत के लिए अच्छी और बुरी खबर दोनों आई हैं। इस खबर को सुनने के बाद कुछ बैडमिंटन फैंस खुश है तो कुछ निराश है। दरअसल जापान ओपन से भारत के लिए बुरी खबर पीवी सिंधु का बाहर होना रहा है। तो वहीं अच्छी खबर ये है कि, सात्विक और चिराग ने शानदार जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही चिराग शेट्टी ने भी दूसरे राउंड में अपना स्थान पक्का कर लिया है.भारत के स्टार शटलर सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बुधवार को जापान ओपन के मेंस डबल्स में धमाकेदार जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टर फाइनल में एंट्री मारी ली है।

भारत बनाम इंग्लैंड चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड के स्क्वॉयड का हुआ ऐलान

बशीर की जगह लियाम डॉसन को टीम में किया गया शामिल

नई दिल्ली,16 जुलाई 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैंचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। चौथा मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। उससे पहले इंग्लैंड ने अपने स्क्वाड में बड़ी तबदीली की है.। चोटिल स्पिनर शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को टीम में शामिल किया गया है। बता दें कि बशीर लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में के दौरान चोटिल हो गए थे और उनकी उंगली में फ्रैक्चर होने की वजह से वे सीरीज से बाहर हो गए। बशीर को मैच के तीसरे दिन भारत की पहली पारी के 78वें ओवर में चोट लगी थी, जब रवींद्र जडेजा ने एक जोरदार शॉट सीधे बशीर की तरफ मारा,जिसे पकडऩे की कोशिश में गेंद उनकी उंगली पर लग गई.

इसके बावजूद 21 वर्षीय बशीर ने आखिरी दिन ओवर भी फेंका और मोहम्मद सिराज के रूप में मैच का आखिरी विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत पक्की कर दी।

उनकी जगह अब टीम में शामिल किए गए बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर ने आखिरी बार जुलाई 2017 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था. उन्होंने अबतक केवल तीन टेस्ट,6 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं. टेस्ट में उनके नाम 7 वनडे में 5 और टी20 में 11 विकेट हैं. लेकिन वे कई वर्षों से काउंटी क्रिकेट में हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें क्रमशः 2023 और 2024 में प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के चीप सिलेक्टर ल्यूक राइट ने कहा, लियाम डॉसन टीम में शामिल होने के हकदार हैं। काउंटी चैंपियनशिप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और वे हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड का स्क्वाडः- बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

चौथे टेस्ट के लिए टीम इंडिया का स्क्वाडः- शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान, विकेट कीपर),यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

5 अगस्त से प्रो पंजा लीग सीजन 2 का आगाज

नई दिल्ली,16 जुलाई 2025। प्रो पंजा लीग का बहुप्रतीक्षित दूसरा सीज़न 5 अगस्त को वापसी करने के लिए तैयार है और प्रशंसक एक बार फिर भारत के प्रमुख डिजिटल स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन फैनकोड पर लाइव रोमांचक एक्शन देख सकते हैं। अपने ऐतिहासिक पहले सीज़न के बाद, जिसमें दर्शकों की संख्या और प्रशंसक जुड़ाव में भारी वृद्धि देखी गई, लीग दूसरे सीज़न के लिए फैनकोड पर लौट रही है, जो आर्मरेसलिंग के खेल को पूरे भारत में प्रशंसकों के करीब ला रही है।

सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर ग्वालियर में आयोजित होने वाले सीज़न 2 में सीज़न 1 के वापसी करने वाले पसंदीदा और रोमांचक नई प्रतिभाएँ शामिल होंगी, जो पंजा टेबल पर सुर्खियाँ बटोरना चाहती हैं। लीग आईपीएल-शैली के फ्रैंचाइज़ी प्रारूप का पालन करेगी, जिसमें देश भर की टीमें 17 दिनों तक हाई-ऑक्टेन मैचों में भिड़ेंगी। पहले सीज़न में कोच्चि केडी को उद्घाटन चैंपियन का ताज पहनाया गया था और यह एक बड़ी सफलता थी। सीज़न 2 आर्मरेसलिंग की गति और बढ़ती लोकप्रियता को और भी ऊँचा

उठाने का वादा करता है। नई स्ट्रीमिंग साझेदारी के बारे में बात करते हुए, प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक, परवीन दबास ने कहा, हमारा उद्देश्य हमेशा से आर्म रेसलिंग को हर भारतीय घर तक पहुँचाना रहा है और फैनकोड की अविश्वसनीय पहुँच, जो हमने पहले सीज़न में देखी थी, हमारे लिए एक नई ऊर्जा है। यह साझेदारी उस मिशन के साथ पूरी तरह मेल खाती है। इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता के साथ, हमें इस बार भी नए दर्शकों तक पहुँचने की उम्मीद है।÷ फैनकोड के सह-संस्थापक यानिक कोलाको ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ÷हमें अपनी साझेदारी जारी रखने और प्रो पंजा लीग के विकास का समर्थन करने में खुशी हो रही है। यह साझेदारी स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने और उन्हें देश के हर कोने में प्रशंसकों तक पहुँचाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह लीग असली ताकत, जुनून और गर्व का प्रदर्शन करती है - और हम उस ऊर्जा को देश भर के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए रोमांचित हैं।÷

भारत आएंगे दुनिया के सबसे तेज इंसान

नई दिल्ली,16 जुलाई 2025। आठ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता, दिग्गज धावक उसैन बोल्ट 26 से 28 सितंबर तक भारत दौरे पर रहेंगे। इस प्रतिष्ठित एथलीट के कार्यक्रम में दिल्ली और मुंबई शामिल हैं। 2014 में अपनी पहली यात्रा के बाद बोल्ट की यह दूसरी भारत यात्रा होगी। अपनी यात्रा के बारे में बोल्ट ने कहा, ÷मैं भारत लौटने को लेकर उत्साहित हूँ। यहाँ की ऊर्जा, लोग और खेलों के प्रति जुनून बेजोड़ है। भारत में मेरे बहुत सारे प्रशंसक हैं और मैं इस साल के अंत में अपनी भारत यात्रा का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ।जमैका के इस खिलाड़ी का हालिया भारत दौरा भी प्रचार गतिविधियों के सिलसिले में है और वे मुंबई और दिल्ली जाएँगे। अपनी यात्रा के दौरान, वह कई प्रशंसक-सम्पर्क और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरे का मुख्य आकर्षण स्कूली छात्रों के लिए एक राष्ट्रव्यापी स्प्रिंट प्रतियोगिता होगी,जिसका अंतिम मुकाबला इस ओलंपिक दिग्गज के सामने होगा।

विनीत कुमार सिंह की नई सीरीज रंगीन में दिखेगी धोखे और बदले की कहानी, जारी हुआ पहला पोस्टर

प्राइम वीडियो पर विनीत कुमार सिंह की अदाकारी वाली रंगीन नाम की एक नई वेब सीरीज आ रही है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए प्लेटफॉर्म ने कैप्शन में लिखा है असली आंखें असली झूठ को महसूस कर लेती हैं। जुलाई 2025 में प्राइम पर नई सीरीज रंगीन आ रही है।प्राइम वीडियो ने पोस्ट में फिल्म मेकर प्रांजल दुआ और कोपल नैथानी को टैग किया है। इसके अलावा पोस्ट में निर्देशक कबीर खान को टैग किया गया है। इससे अंदाजा लग रहा है कि सीरीज के साथ ये लोग भी जुड़े हों। पोस्ट के साथ एक पोस्टर भी शेयर किया गया है। इस पर विनीत कुमार सिंह की तस्वीर बनी है।प्राइम वीडियो ने अपनी वेबसाइट पर इसी सीरीज के बारे में जानकारी देते हुए लिखा है अपनी पत्नी के विश्वासघात का पता चलने के बाद, एक सीधा-सादा पति बदला लेने के लिए अंतरंगता की दुनिया में जाता है। अपनी समझ से परे और अनजान, वह ऐसे अनुभवों से गुजरता है जिनमें वह खुद की खोज करता है।इस सीरीज के नौ एपिसोड हैं जो 25 जुलाई से देखे जा सकते हैं। इनके नाम कुछ इस तरह हैं- दिमाग के कीड़े, सनकी, चींटी, सूरज हुआ मूह, मगरमच्छ, दलदल, जंगली सुअर, आई एम द मैन और दो गधे।इस सीरीज में विनीत कुमार सिंह, राज श्री देशपांडे और मेघना मलिक हैं।विनीत कुमार सिंह को आखिरी बार सनी देओल की फिल्म जाट में देखा गया था। इसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई थी। फिल्म हिट रही थी। इससे पहले विनीत कुमार सिंह फिल्म छावा में नजर आए थे। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

माधुरी दीक्षित की लगती थी जेरॉक्स कॉपी,शाहरुख की फिल्म को किया रिजेक्ट, क्रिकेटर के प्यार में पड़कर हुई छूमंतर

बॉलीवुड की गलियों में हर साल न जाने कितने नए चेहरे आते हैं और कितने नाम और शोहरत कमाने के बाद भी गुमनामी के अंधेरे में खो जाते हैं। कुछ सितारे अपनी खूबसूरती और टैलेंट से लंबे समय तक दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं तो कुछ को सिर्फ एक जैसी शक्ल के कारण याद किया जाता है। वो सिर्फ किसी एक्टर की कार्बन कॉपी कहलाकर ही रह जाते हैं। आज ऐसी ही एक अभिनेत्री के बारे में बात करेंगे। ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि फरहीन खान हैं, जिन्हें 90 के दशक में माधुरी दीक्षित की हमशक्ल कहा जाता था। सालों पहले बड़े पर्दे से दूर होने वाली एक्ट्रेस अब कहां हैं और क्या कर रही हैं,

पहली ही फिल्म से मिली पहचान

1992 में रिलीज हुई फिल्म 'जान तेरे नाम' से फरहीन ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। फिल्म में उनके साथ एक्टर रॉनित रॉय लीड रोल में थे। इस फिल्म के खाने काफी हिट थे, खासकर गाना 'पहली बार देखा तुम्हें' आज भी 90'ह्य लव सॉन्ग्स की लिस्ट में टॉप पर गिना जाता है, लेकिन फिल्म की सफलता के साथ ही उन पर माधुरी दीक्षित की हमशक्ल का ठप्पा लग गया, जिसने उनकी पहचान को सीमित कर दिया। एक्ट्रेस की खूबसूरत की तारीफ जरूर होती थी, लेकिन इसके साथ माधुरी दीक्षित से उनकी तुलना भी की जाती थी।

कुछ फिल्मों के बाद अचानक हो गईं गायब

फरहीन ने 'सैनिक' में अक्षय कुमार की बहन का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने सराहा। उन्होंने 'अमानत', 'आग का तूफान' और 'दिल की बाजी' जैसी फिल्मों में भी काम किया। साथ ही उन्होंने साउथ इंडियन फिल्मों में भी अच्छी पहचान बनाई। साल 1993 में उन्होंने कमल हासन के साथ तमिल फिल्म 'कलैगनन' की, जो उस समय सुपरहिट साबित हुई। दिलचस्प बात ये है कि उसी साल उन्हें 'बाजीगर' में शाहरुख खान के अपोजिट सीमा का रोल ऑफर हुआ था, जो बाद में शिल्पा शेट्टी को मिला। फरहीन ने यह मौका छोड़कर साउथ की फिल्म को प्राथमिकता दी। इसी किरदार से शिल्पा शेट्टी को फिल्म इंडस्ट्री में जगह मिल सकी।

शादी के बाद एक्टिंग को कहा अलविदा

अपने करियर के पीक पर ही फरहीन ने बॉलीवुड को अलविदा कह दिया। वजह कुछ और नहीं बल्कि उनकी लाइफ में आए एक शख्स थे। एक्ट्रेस प्यार में पुड़ गई थीं। ये कोई और नहीं था बल्कि भारतीय क्रिकेटर मनोज प्रभाकर थे। दोनों की लव स्टोरी आगे बढ़ी और दोनों ने शादी का फैसला कर लिया। शादी के बाद एक्ट्रेस ने पूरी तरह से नई जिंदगी शुरू की। फरहीन हमेशा से एक स्थिर और खुशहाल परिवार चाहती थीं, क्योंकि उनका खुद का बचपन एक टूटे परिवार में बीता था। इस शादी से उन्हें वो खुशी हालिस हुई।

अब कहां हैं फरहीन?

शादी के बाद फरहीन दिल्ली शिफ्ट हो गईं और फिल्मों से पूरी तरह दूरी बना ली। अब उनके दो बेटे हैं राहिल और मानवांश। फरहीन अब एक सफल बिजनेसवुमन हैं। वह ऑर्गेनिक स्किनकेयर प्रोडक्ट्स की एक कंपनी चला रही हैं और नैनीताल में एक खूबसूरत होमस्टे की मालकिन भी हैं। एक समय में जिनकी तुलना माधुरी दीक्षित से होती थी, आज वो अपनी खुद की पहचान के साथ एक शांत और संतुलित जीवन जी रही हैं। ग्लैमर से दूर रखकर एक्ट्रेस ने हमेशा अपने परिवार को तरजीह दी

साइबर ठगी मामले पर विधानसभा में हंगामा

साइबर ठगी पर विधायक सुनील सोनी के सवाल पर घिरे गृहमंत्री विजय शर्मा,1 साल में 1 हजार 301 मामले...

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

नेता प्रतिपक्ष महंत ने सीएम साय को दिया धन्यवाद

सत्ता पक्ष ने तालियां बजाकर किया स्वागत,

रायपुर,16 जुलाई 2025(ए)।छत्तीसगढ़ की विधानसभा में बुधवार को एक ऐसा दृश्य सामने आया जिसने पिछले 25 वर्षों की परंपरा को तोड़ते हुए राजनीतिक शिष्टाचार का नया अध्याय रच दिया। आमतौर पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक और स्थगन प्रस्ताव खारिज होने पर वाकआउट की घटनाएं आम होती हैं। लेकिन इस बार कांग्रेस ने सत्ता पक्ष के रुख की सराहना भी की।

जेल से छूटकर 70 साल की बुजुर्ग से किया रेप

रायपुर में बेटे ने 5 दिन-तक की दरिंदगी,5 वर्षीय बच्ची से कर चुका है दुष्कर्म

रायपुर,16 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में बेटा 70 साल की बुजुर्ग महिला के साथ 4-5 दिनों तक रेप करता रहा। जब वो अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, तो वृद्ध ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। इससे पहले वो 5 साल की बच्ची से भी दुष्कर्म कर चुका है। घटना मामला आरंग थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी 42 साल का है। जेल से छूटने के बाद वो बुजुर्ग महिला से छेड़खानी करने लगा। उसने इसका विरोध किया, लेकिन वो नहीं माना। उसने कुछ दिन पहले ही चार से पांच दिनों तक लगातार रेप किया। 15 जुलाई को पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत की।

अब सरकारी स्कूलों में भी होगी पालक-शिक्षक बैठक

रायपुर,16 जुलाई 2025(ए)। अब सरकारी स्कूलों में भी निजी स्कूलों की तर्ज पर पालक-शिक्षक बैठक आयोजित की जाएगी,ताकि बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर नियमित संवाद स्थापित किया जा सके। पहली बैठक अगस्त के पहले सप्ताह में आयोजित की जाएगी,जिसमें

पालकों को उनके बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों, कमजोरियों और समग्र विकास की जानकारी दी जाएगी।स्कूल शिक्षा सचिव द्वारा सभी कलेक्टरों, संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों और पालकों के बीच समन्वय को सशक्त बनाना है,जिससे छात्र शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें और उन्हें सहयोगपूर्ण घर का माहौल मिल सके। सरकार का मानना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को साकार करने और ड्रॉपआउट की समस्या को रोकने में पालकों की सक्रिय भूमिका जरूरी है।

मेकाहारा में बंद मशीनों के बदले नई मशीन खरीदी जाएगी :स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मेकाहारा में कुल 161 मशीन उपलब्ध हैं जिसमें से 111 मशीन चालू है तथा 50 मशीनें बंद हैं। इनमें से 49 बंद मशीनों के बदले नई मशीन की खरीदी की प्रक्रिया जारी है। कांग्रेस सदस्य श्रीमती शेषराज हरवंश द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान स्थिति में मेकाहारा राज्य सबसे बड़ा अस्पताल है, वहां पर हार्ट तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की परीक्षण के लिए बड़ी संख्या में लोग आते हैं। मशीनें बंद होने के कारण लोग वापस जाते हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह मशीन कांग्रेस शासनकाल में खरीदी गई थी। भाजपा के अजय चन्द्राकर ने कहा कि मैंने मशीन खरीदी का आर्डर दिया था लेकिन सत्ता बदल गई। कांग्रेस सदस्य शेषराज हंसराज ने कहा कि मशीनें खराब होने के कारण हजारों मरीज वापस जाते हैं।

चुनौती देकर खुद भाग खड़े हुए भूपेश बघेल,गृहमंत्री विजय शर्मा का आरोप

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन आज कई विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान पक्ष और विपक्ष के बीच नोंकझोंक भी देखने को मिली। इस दौरान आज उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की भी नाराजगी देखने को मिली। दरअसल पूर्व सीएम और कांग्रेस सदस्य भूपेश बघेल ने सरकार से प्रधानमंत्री आवास को लेकर सवाल पूछे थे। वही आज वह सदन से नदारद रहे। इस पर संबंधित विभाग के मंत्री नाराज हुए। मंत्री विजय शर्मा ने कहा, पीएम आवास पर भूपेश बघेल ने चुनौती उन्हें दी थी। कहीं और किसी भी मंच पर बातचीत कर लेने की बात कही थी। आज सदन में विषय लगा था, यह बहुत अच्छा मौका था। मैं पूरी तैयारी के साथ सदन में आया था। लेकिन भूपेश बघेल सदन से गायब थे। विजय शर्मा ने कहा कि, यह बहिर्गमन नहीं था, यह कांग्रेस का पलायन था।

विधानसभा में नकल प्रकरण का मामला गूंजा

विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन आज कई विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान पक्ष और विपक्ष के बीच नोंकझोंक भी देखने को मिली। बिलासपुर में पिछले दिनों लोनिवि भर्ती की परीक्षा में हाईटैक तरीके से नक़ल कराये जाने का सनसनीखेज मामला उजागर हुआ था। इसके बाद से ही कांग्रेस सत्तादल भाजपा पर हमलावर है। वही आज इस नक़ल प्रकरण की गूँज विधानसभा में भी सुनाई दी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख विधायक दीपक बैज ने सरकार पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए पूछा कि,क्या नकल गिरोह को भाजपा की सरकार संरक्षण दे रही है? बीजेपी के 15 साल की सरकार में बस्तर, बिलासपुर में फर्जी परीक्षाएं आयोजित हुई। अगर संरक्षण नहीं तो परीक्षा रद्द होनी चाहिए। दीपक बैज ने कहा कि, सरकार में आने से पहले भाजपा ने यूपीएससी के तर्ज पर परीक्षा करने का दावा किया था तो क्या यही यूपीएससी की तर्ज पर परीक्षा है। सदन में बिजली के दाम में बढ़ोतरी पर स्थगन प्रस्ताव लाया गया। इस प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि, टैरिफ में न्यूनतम वृद्धि के गई है, आपूर्ति में गुणवत्ता है। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ प्रदेश में ऊर्जा सुधारों को जनसमर्थन मिल रहा है।

जल्द होगी साइबर एक्सपर्ट की नियुक्तिः विजय शर्मा

विधायक सुनील सोनी ने कहा- साइबर थाने में साइबर एक्सपर्ट नहीं हैं, आईजी रैंक के अधिकारी भी नियुक्त नहीं किए गए हैं। जिस पर गृहमंत्री

विजय शर्मा ने कहा- सीएम के हाथों में साइबर थाने का उद्घाटन हुआ है। साइबर थाने में हाईटेक उपकरण है। साइबर एक्सपर्ट की नियुक्ति जल्द होगा। हर जिले में साइबर के विवेचक पदस्थ हैं। विधायक सुनील सोनी ने कहा- जिलों के थाने साइबर क्राइम रोकने क्या सक्षम है। जिस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा- साइबर थानों को जांच के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। अफसरों को डेपुटेशन पर लेकर थानों में पदस्थ किया जा रहा है। 9 जिलों में हाईटेक साइबर थाने बनाने की प्रक्रिया जारी है। वहीं सुनील सोनी ने पूछा क्या साइबर क्राइम में बैंक के भी संलिप्त है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, 7 बैंक के अधिकारी कर्मचारियों की संलिप्तता पाई गई है। सभी पर एफआई आर दर्ज की गई।

सदन में रेडी टू ईट में भ्रष्टाचार की गूंज, विपक्ष ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

विधानसभा में मंगलवार को रेडी टू ईट का मामला विपक्ष ने उठाते हुए सरकार को जमकर घेरा। इसके ठेके में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। इसके लिए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग स्वीकार नहीं करने पर कांग्रेस विधायकों ने सदन से बहिर्गमन कर दिया।ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने कहा कि सरकार ने रेडी टू ईट योजना के संचालन में भारी गड़बड़ी की है। अपात्र महिला स्वसहायता समूहों को भी ठेका दे दिया गया है जबकि पात्र समूहों को बाहर कर दिया गया है। इसके चयन समिति में शामिल अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग नेता प्रतिपक्ष ने की। कांग्रेस सदस्य उमेश पटेल ने भी इसमें भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए डिफाल्टर महिला स्वसहायता समूहों को ठेका देने की जानकारी सदन में दी।

विजय शर्मा पर महंत की टिप्पणी से सदन में मचा बवाल

विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रगति की स्थिति की जानकारी के बारे में नेता प्रतिपक्ष चरणदास

द्वारा पूछे गये प्रश्न के दौरान उन्होंने पंचायत एवं गृहमंत्री विजय शर्मा पर तंज कस दिया। जिसको लेकर सदन में विवाद हो गया। अध्यक्ष रमन सिंह ने पूरे मामले पर हस्तक्षेप करते हुए इस टिप्पणी को विलोपित करने का निर्देश दिया। जिसके पश्चात सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य शांत हुए।

प्रदेश में साइबर अपराधों को रोकने आईटी विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी-गृहमंत्री

प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छग सरकार साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। अभी तक कुल 107 प्रकरणों में 3.69 करोड़ की राशि पीड़ितों को दिलाई गई है। राज्य में शीघ्र आईटी पेशेवर साइबर विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी।

रायपुर,16 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सदन में प्रश्नकाल में भाजपा विधायक सुनील सोनी ने साइबर ठगी से संबंधित मुद्दा उठाया। जिस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि, प्रदेश में बीते एक साल में साइबर ठगी के 1 हजार 301 मामले दर्ज किए गए हैं। जिसमें से राजधानी रायपुर से 147 ममाले सामने आए हैं।विधायक सुनील सोनी ने पूछा कि, बीते एक साल में कितने अपराध दर्ज हुए हैं,पीड़ितों को रकम वापस दिलाने क्या प्रयास किए गए। जिस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने जवाब में कहा- बीते एक वर्ष में 1 हजार 301 मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं 107 पीड़ितों को राशि वापस दिलाई गई है। राजधानी रायपुर में 147 ममाले दर्ज किए गए हैं।

साइबर क्राइम रोकने में काम करने की जरुरत

सदन की चर्चा में हिस्सा लेते हुए विधायक राजेश मूणत ने कहा- साइबर क्राइम आज सबसे बड़ा अपराध बन गया है। साइबर क्राइम रोकने ढ्ढत्र स्तर के अधिकारी की नियुक्ति होनी चाहिए। 107 करोड़ की ठगी हुई, विभाग तीन करोड़ ही वापस दे पाया। वहीं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा-वापसी की प्रकिया कोर्ट के जरिए होती है। कोर्ट के आदेश पर पीड़ितों को राशि लौटाई जा रही है।

जब चंद्राकर ने कहा...एक ही जवाब दोहराया जा रहा

विधायक अजय चंद्राकर ने कहा- साइबर कमांडो के लिए कितने को प्रशिक्षण दिया गया। जिस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा- साइबर कमांडो की ट्रेनिंग चल रही है। वहीं इसी बीच फिर अजय चंद्राकार ने कहा- ऐसा जवाब पिछले सत्र में भी दिया था अब तक साइबर कमांडो तैयार नहीं किए गए हैं। इसी से विभाग की गंभीरता समझ में आती है।

विद्युत दरों को बढ़ाने कांग्रेस ने किया विरोध

विधानसभा के मानसून सत्र में आज शून्य काल में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने बिजली की बढ़ती दरों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विद्युत मंडल लाइन लाश तथा स्थापना व्यय को बढ़ाते जा रहा है। इसका बोझ गरीब किसानों पर पड़ रहा है। सत्र में कांग्रेस के सदस्यों ने विद्युत दरों में बढ़ोत्तरी

को जनता के साथ अन्याय बताया और कांग्रेस कार्यकाल में इसे एक बार बढ़ाने का ही काम किया गया जबकि भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में दो बार वृद्धि कर दी है। स्थगन प्रस्ताव में सदस्यों का वक्तव्य सुनकर अध्यक्ष रमन सिंह ने मुख्यमंत्री को निर्देशित किया कि वे अपना पक्ष रखे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विद्युत दरों में न्यूनतम वृद्धि की गई है। कांग्रेस के सदस्यों के आरोप का जोरदार शब्दों में खंडन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्युत नियामक द्वारा वर्ष 2025-26 में विद्युत हेतु घोषित बिजली टेरिफ में 1.89 की वृद्धि की गई जो कि विगत वर्षों में न्युनतम वृद्धि की गई है। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री के बयान पर संतोष जाहिर करते हुए धन्यवाद प्रेषित किया। मुख्यमंत्री ने विपक्षीय सदस्यों काजवाब देते हुए कहा कि बिजली दरों न्युनतम वृद्धि की गई है।

किसानों को नहीं देना होगा बढ़ा बिजली बिल,सरकार देगी सब्सिडी

रायपुर,16 जुलाई 2025 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिजली के बढ़े दामों को मामूली बताया है. हाल ही में छत्तीसगढ़ विद्युत नियामक आयोग ने बिजली बिल के दाम बढ़ाए हैं. इस पर सीएम ने कहा कि,वर्ष 2025-26 के लिए टैरिफ में मात्र 1.89त्न की वृद्धि की गई है. ये जो विगत वर्षों में न्यूनतम वृद्धि में से एक है. साथ कहा कि, किसानों को सब्सिडी मिल रही ऐसे में किसानों पर भी इसका असर नहीं पड़ेगा.

नए और पुराने दर में कितना बदलाव

सौर ऊर्जा की ओर एक कदम- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत भी सब्सिडी मिल रही है. 3 किलोवाट तक के संयंत्रों पर ₹78 हजार तक केंद्र सरकार से अतिरिक्त 2 किलोवाट तक के संयंत्रों पर ₹30 हजार तक राज्य शासन से अनुदान दिया जाएगा. यह योजना छत्तीसगढ़ के घरेलू उपभोक्ताओं को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल है.

बिजली बिल पर सीएम ने क्या कहाः

हमारा उद्देश्य है कि छत्तीसगढ़ के कृषक वर्ग पर कोई अतिरिक्त आर्थिक भार न पड़े. घरेलू विद्युत दरों में केवल 10 से 20 पैसे तक की मामूली वृद्धि की गई है, जबकि कृषि पंप उपभोक्ताओं के लिए 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है. इसका भी सीधा असर किसानों पर नहीं पड़ेगा क्योंकि यह राशि शासन द्वारा सब्सिडी के रूप में पहले से अग्रिम भुगतान की जा रही है.

स्टील इंडस्ट्री की दरों में कटौतीः

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखने के लिए मिनी स्टील, रोलिंग मिल और फेरो एलॉय जैसे ऊर्जा-गहन उद्योगों की दरों में कटौती की है. यह निर्णय उद्योगों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दिखाता है.

वर्तमान टैरिफ में केपिटल इन्वेस्टमेंट प्लान

इसके तहत ट्रांसमिशन कंपनी के लिए ₹2433 करोड़, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के लिए ₹3977 करोड़ और जनरेशन कंपनी के लिए ₹2992 करोड़ का प्रावधान है. कोरबा में 1320 मेगावॉट के प्लांट की स्थापना का काम भी शुरू हो चुका है, जिसकी लागत ₹15,800 करोड़ है. इससे छत्तीसगढ़ भविष्य में ऊर्जा-सरप्लस राज्य बनेगा.

रायपुर में दिव्यांगों को घसीटकर ले गई पुलिस

बस-स्टैंड से उठाकर गाड़ी में डाला तूता धरनास्थल पर छोड़ा

रायपुर,16 जुलाई 2025 (ए)। रायपुर में बस स्टैंड के पास बैठे दिव्यांग संघ के लोगों को पुलिस ने बलपूर्वक उठाया और गाड़ी में डालकर नवा रायपुर स्थित तूता धरनास्थल ले गई। इसका वीडियो भी सामने आया है। जिसमें पुलिस महिलाओं और पुरुषों को घसीटकर हटाते नजर आ रही है।

महिला दिव्यांगों के साथ बदसलूकी का आरोप

विधानसभा घेराव से पहले वायरल हुए वीडियो में पुलिस महिला दिव्यांगों को घसीटते और बदसलूकी करते दिख रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर निकले थे, लेकिन पुलिस उन्हें प्रदर्शन करने से रोक रही है।दिव्यांग संघ के लोगों ने बताया कि इससे पहले भी कई बार प्रदर्शन किया है और सरकार के आश्वासन के बाद उन्होंने अपना आंदोलन वापस लिया। लेकिन अब तक मांगे पूरी नहीं होने पर आज सभी दिव्यांग विधानसभा का घेराव करने रायपुर पहुंच रहे हैं।

148 से अधिक अधिकारी कर रहे फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट से नौकरी

विधानसभा घेराव से पहले दिव्यांग संघ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग से चयनित 7 डिप्टी कलेक्टर,3 लेखा अधिकारी,3 नायब तह सीलदार,2 सहकारिता निरीक्षक,3 पशु चिकित्सक सहित कुल 148 अधिकारियों ने फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी हासिल की है।

रावतपुरा मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द

छत्तीसगढ़ में मेडिकल की 150 सीटें होंगी कम

रायपुर,16 जुलाई 2025 (ए)। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने रिश्वत कांड में फंसे रावतपुरा मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द कर दी है। इसके साथ ही प्रदेश में निजी मेडिकल कॉलेज की 150 सीटें कम हो जाएंगी। अब तक प्रदेश में 700 मेडिकल सीट थीं, जो घटकर 550 हो जाएंगी। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने सिर्फ शासकीय मेडिकल कॉलेजों को नेशनल मेडिकल कमीशन ने नए सत्र 2025-26 के लिए मान्यता दी है। जिसके बाद प्रदेश के 10 शासकीय मेडिकल कॉलेज की करीब 1,430 सीटों पर एडमिशन दे पाएंगे। सभी कॉलेजों की 4 महीने बाद फिर से समीक्षा की जाएगी किसी भी शासकीय मेडिकल कॉलेज की सीटों में इजाफा नहीं किया है। हालांकि चिकित्सा शिक्षा संचालनालय की ओर से कहा गया है कि, किसी मेडिकल कॉलेज ने सीटें बढ़ाने के लिए आवेदन भी नहीं किया था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)